कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | शुक्रवार 10 जनवरी 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1248 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

बालू और भू-माफियाओं का आतंक, तृणमूल के तीन नेताओ को मिला बॉडी गार्ड

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (आसनसोल): मालदा की घटना के बाद तृणमूल अब कोई जोखिम नहीं लेना चाहती है। अब उसने चुनिंदा तरीके से पार्टी के ताकतवर नेताओं को पुलिस सुरक्षा देनी शुरू कर दी है। आसनसोल के तीन तृणमूल नेताओं को पुलिस सुरक्षा दी गई है। औद्योगिक नगरी में हाल के दिनों में बालू और भू-माफियाओं का उत्पात बढ़ गया है। सूत्रों का दावा है कि इसी वजह से सत्ताधारी दल के इन नेताओं पर हमले का डर है। इसीलिए प्रशासन ने उन्हें पुलिस सुरक्षा देने का फैसला किया है। इस बार तृणमूल के राज्य कमेटी सदस्य और आसनसोल नगर निगम पार्षद अशोक रुद्र, पश्चिम बर्दवान जिला परिषद के उपाध्यक्ष विष्णुदेव नूनिया और पूर्व बर्दवान जिला परिषद के सदस्य रामकृष्ण घोष को पुलिस सुरक्षा मिली है।

फिलहाल इनके साथ एक-एक पुलिसकर्मी रह रहा है। प्रशासन द्वारा मुहैया कराई गई सुरक्षा के बारे में तृणमूल राज्य समिति के कार्यकारी सदस्य अशोक रुद्र ने कहा, "एक समय मुझे सुरक्षा दी गई थी। लेकिन 2 साल पहले इसे वापस ले लिया गया। अब फिर से सुरक्षा बढ़ा दी गई है। 7 तारीख से एक सुरक्षाकर्मी मेरे साथ है। विष्णुदेव नूनिया और पूर्वी बर्दवान जिला परिषद सदस्य रामकृष्ण घोष को भी सुरक्षा दी गई है।"

गौरतलब है कि हाल ही में मालदा में तृणमूल नेता दुलाल सरकार की हत्या कर दी गई थी। ऐसी चर्चा है कि दुलाल सरकार उर्फ बाबला की हत्या में पार्टी के भीतर गुटीय संघर्ष है। इसके साथ ही जमीन और प्रचार-प्रसार से जुड़े कारोबार की भी चर्चा है। दुलाल सरकार की हत्या में मालदा शहर तृणमूल अध्यक्ष और पार्टी की हिंदी शाखा के जिला अध्यक्ष नरेंद्रनाथ तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। उनके करीबी सहयोगी स्वपन शर्मा को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में कई अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। हालांकि, दो आरोपी अभी भी फरार हैं। जांचकर्ता न केवल राज्य बल्कि अन्य राज्यों में भी उनकी तलाश कर रहे हैं।

बीएमओएच सैकत दास ने एचएमवी वायरस को लेकर दिया निर्देश

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (रानीगंज): पूरे देश के साथ-साथ रानीगंज के लोगों के दिमाग से भी अभी तक कोरोना काल की कड़वी यादें मिटी नहीं है. इसलिए जब भी इस तरह के किसी वायरस आक्रमण की खबर सुर्खियों में आती है, तो लोग स्वाभाविक रूप से थोड़ा सहम जाते हैं.

इन दिनों एचएमवी नामक एक वायरस की खबरें बड़ी तेजी से फैल रही है. रानीगंज में भी इसे लेकर लोग बेहद आशंकित हैं. हमने इस बारे में रानीगंज के बीएमओएच सैकत दास से बात की तो उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के साथ इस नए वायरस के तुलना करना जायज नहीं है. कोरोना का वायरस नया था लेकिन यह वाइरस पिछले 100 वर्षों से मानव इतिहास में अस्तित्व में रहा है. इससे डरने की या पैनिक होने की कोई आवश्यकता नहीं है.

उन्होंने कहा कि इस वायरस के लक्षण सामान्य सर्दी खांसी जैसे हैं हालांकि उन्होंने कहा कि जो बुजुर्ग है या जिनको पहले से ऐजमा या डायबिटीज की बीमारी है, उनको थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसमें भी डरने की कोई आवश्यकता नहीं है. उन्होंने कहा कि जिस तरह से कुछ मीडिया में इस वाइरस को लेकर प्रचार किया जा रहा है. वह पूरी तरह से बेबुनियाद है. सबसे पहली बात यह नया वायरस नहीं है. इसलिए इसके बारे में वैज्ञानिकों और चिकित्सकों को बहुत पहले से ही पता है.

उन्होंने कहा कि इस वायरस से पीड़ित व्यक्ति का इलाज सामान्य सर्दी खांसी से पीड़ित व्यक्ति के इलाज जैसा ही होता है. इसलिए उन्होंने लोगों को पैनिक होने से मना किया। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर सावधानी के लिए मास्क का इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर होगा।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी का दो दिवसीय सीसीएल दौरा शुरु

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (पांडवेश्वर): केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री भारत सरकार जी किशन रेड्डी ने सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की दो दिवसीय दौरा के क्रम में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. सीसीएल मुख्यालय रांची के गांधी नगर कालोनी में आवासीय कालोनी का आधारशिला रखने के अलावा रांची में 40 कर्मियों की क्षमता वाले अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र काउद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य बुनियादी अभिविन्यास प्रशिक्षण और पुनश्चर्या प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि उनके पेशेवर कौशल को और निखारा जा सके.

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने सीएमपीडीआइ की 5 जी परीक्षण प्रयोगशाला का उदघाटन किया. इस प्रयोगशाला का उपयोग विशेष रूप से कोयला उद्योग के डिजाइन किए गए विभिन्न 5 जी अनुप्रयोगों को विकसित और परीक्षण करने के लिए किया जायेगा.

कोयला मंत्री के साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, आदित्य साहू, विधायक सुरेन्द्र बैठा, कोयला सचिव विक्रम देव दत्त अतिरिक्त सचिव विस्मिता तेज, कोयला मंत्रालय के सलाहकार आनंद जी प्रसाद, कोल इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी नीलेंदु कुमार सिंह, सीएमपीडीआइ के सीएमडी मनोज कुमार, कोल इंडिय सीसीएल, सीएमपीडीआइ, ईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

मोबाईल टावर लगाने व लोन दिलवाने के नाम पर लाखो की ठगी, दो महिला समेत दस गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (आसनसोल): साईबर पुलिस को बड़ी सफलता हाँथ लगी है. साईबर थाना पुलिस ने विभिन्न कंपनियों के मोबाईल टावर लगवाने व विभिन्न बैंक व इन्सुरेंस कंपनियों से लोन दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफास किया है. साइबर पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य सरगना संदीप बाग सहित कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमे दो महिला भी शामिल है, पकड़े गए आरोपियों के पास से साईबर पुलिस ने 22 मोबाईल फोन दो लैपटॉप सहित एक डायरी जब्त की है, साथ ही साईबर पुलिस को ऐसे कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी हाँथ लगे हैं जिससे इस गिरोह मे कई अन्य लोगों के शामिल होने की तरफ भी इसारा करते हैं, साईबर थाना पुलिस मामले मे बारीकी से जाँच कर रही है और बहुत जल्द ही इस गिरोह मे शामिल अन्य लोगों की गिरफ़्तारी करने का दावा भी कर रही है.

पकड़े गए लोगो में संजय, वरुण, देवाशिस, किशोर और प्रीति ये लोग कालिंग कर के लोगो को गुमराह करते थे. वही राहुल और चन्दन डाटा कलेक्ट और मेनेज करते थे. इसके आलावा शोमा नामक महिला पुरे फिनासियल विभाग को संभालती थी. जबकि मास्टर माइंड संदीप बाग़ है.

साईबर थाना पुलिस की अगर माने तो नॉर्थ थाना इलाके के रहने वाले हिरन माझी नाम के एक बुजुर्ग से राना मुखर्जी नमक एक व्यक्ति ने पाँच मार्च 2023 मे एयरटेल मोबाईल टावर लगाने के लिये उनका जमीन किराए पर लेने व उनको एक नौकरी देने की बात कही थी और विभिन्न बैंक खातों मे करीब 24 लाख 22 हजार पांच सौ रुपए ठगी की. मामले मे बुधवार को कोलकाता के श्याम नगर, मध्यमग्राम, बागुईआटी, दमदम मे छापेमारी कर इस गिरोह के इन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है,

साईबर पुलिस ने यह भी कहा की उनके व उनकी टीम के लिये यह एक बड़ी सफलता है, साथ मे उन्होंने आम लोगों को यह मैसेज भी दिया की वह उनके फोन पर आने वाले कॉल जिसमे कोई उनसे मोबाईल टावर लगवाने व लॉन दिलवाने के नाम पर अगर पैसे की मांग करता है तो वह ऐसे फोन कॉल को नजर अंदाज करें नही तो वह भी ऐसे ठगों के चुंगल मे फंसकर अपनी जीवन भर की जमा पूंजी गँवा सकते हैं, उन्होंने यह भी कहा पकड़े गए सभी लोग नॉर्थ 24 परगना व उनमे से एक हुगली का रहने वाला है, उन्होने कहा गिरोह से जुड़े तमाम लोग अलग -अलग भागों मे बंटकर लोगों को अपनी जाल मे फंसाकर ठगी का शिकार बनाते थे और उनकी जीवन भर की जमा पूंजी पल भर मे लूट लेते थे.

झालदा के स्वर्ण व्यवसायियों ने 1962 की घटना की याद में काला दिवस मनाया

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (पुरुलिया): झालदा शहर के व्यवसायियों ने अपने सीने पर काली पट्टी बांधकर झालदा स्वर्ण उद्योग व्यवसायी संघ की ओर से गुरुवार को कालादिवस मनाया।

इस संबंध में स्वर्ण व्यवसायी चीकू चंद्रा, अमरेश साव एवं संदीप चंद्रा ने बताया कि आज ही के दिन 9 जनवरी 1962 को भारत सरकार ने स्वर्ण अधिनियम लागू किया था, जो स्वर्ण व्यवसायियों के विरुद्ध था व स्वर्ण व्यवसाय बंद हो गया। उस समय व्यवसाय नहीं चला पाने के कारण कुछ व्यवसाईयों ने आत्महत्या कर लिया था। इसलिए हर साल हम उन्हें याद करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने के लिए काला दिवस मनाते आ रहे हैं। इस दिन झालदा गस्वर्ण शिल्प समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राजलक्ष्मी भौमिक ने महिला हार्ड ट्रेड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (दुर्गापुर): आई.टी.आई. कॉलेज (मूचीपाड़ा) की छात्रा राजलक्ष्मी भौमिक ने मशीनिस्ट ट्रेड के 2023-24 बैच की अखिल भारतीय महिला हार्ड ट्रेड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 26-27 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया। यह पुरस्कार कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के मंत्री जयंत चौधरी द्वारा प्रदान किया गया।

वापस लौटने के बाद राजलक्ष्मी भौमिक के लिए दुर्गापुर आई.टी.आई. में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कॉलेज के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षकों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में राजलक्ष्मी भौमिक के विभाग के शिक्षक और मशीनिस्ट ट्रेड के मास्टर क्राफ्ट्समैन असीम कुमार मुखर्जी ने कहा कि न केवल हमारे ट्रेड में बल्कि कॉलेज के अन्य सभी ट्रेडों में भी मैं चाहती हूं कि एक या एक से अधिक छात्र -छात्राएं मशीनिस्ट ट्रेड में शामिल हों। हर साल इंडिया फर्स्ट रहे। अगर सभी शिक्षक ऐसा चाहते हैं, तो यह असंभव नहीं है।

पौधे को देखने के लिए डीएफओ पूरवी महतो ने स्कूल का दौरा किया

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (पुरुलिया): वन महोत्सव के दौरान स्कूल में लगाए गए पौधे को देखने के लिए कंसावती दक्षिण वन प्रभाग के डीएफओ पूरवी महतो ने स्कूल का दौरा किया। उन्होंने खुशी जाहिर की, कि विद्यार्थियों ने उन पौधों को सहेजकर रखा है। कांसावती जलाशय के पास मानबाजार-1 ब्लॉक के दोलाडांगा प्राइमरी स्कूल में लगाए गए पौधों को देखने अचानक डीएफओ पहुंची। साथ में मानबाजार रेंजर बिनॉय महतो भी थे।

इस प्रसंग में डीएफओ पूरवी महतो ने कहा, यहां आने के दौरान उन्हें याद आया कि वन महोत्सव के दौरान दोलाडांगा प्राथमिक विद्यालय में कई पौधे लगाए गए थे। मैं यह देखने आई थी कि विद्यार्थियों ने उन पौधों को कितने ध्यान से स्कूल में रखा है, लगभग पौधे अभी भी जीवित हैं, यह देखकर बहुत अच्छा लगा।

विद्यालय के कार्यवाहक प्रधान शिक्षक सौमेन मंडल ने कहा कि छात्र स्वयं डीएफओ को देखकर खुश हुए। इस दिन वन अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को पौधों की सुरक्षा और रोपण को लेकर कई सुझाव दिये।

दुर्घटना की स्थिति में क्या करना चाहिए, इसे लेकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (कांकसा): अचानक सड़क दुर्घटना होने और पुलिस घटनास्थल पर देर से पहुंचती है तो घायलों के उपचार में देरी के कारण मौत भी हो सकती है। इसे लेकर बिरुडीहा स्थित कांकसा ट्रैफिक गार्ड परिसर में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, ताकि दुर्घटना स्थल पर मौजूद लोगों या क्षेत्र के आम लोगों को दुर्घटना की स्थिति में क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी दी जा सके।

पथ बंधु कार्यक्रम के माध्यम से, दुर्घटना की स्थिति में घायलों को सबसे पहले बचाया जाता है। दुर्गापुर उपजिला अस्पताल की चिकित्सक डॉ. सरस्वती दत्ता और यातायात विभाग के एसीपी राज कुमार मालाकार ने प्रशिक्षण दिया कि क्या करना है। इस अवसर पर कांकसा ट्रैफिक गार्ड ओसी अनूप कुमार हाती, मुचिपारा और बुदबुद ट्रैफिक गार्ड ओसी और अन्य भी उपस्थित थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब सड़क पर दुर्घटना होती है तो घायलों को बचाने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में बहुत देर हो जाती है। जिसके कारण अक्सर घायलों की मौत हो जाती है। तो, यदि वे ऐसा कर सकते हैं, तो घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे मामूली रूप से घायल लोगों को बचाने के लिए क्या किया जाना चाहिए? हालाँकि, अस्पताल जाते समय किसी की मृत्यु नहीं होगी। इसके लिए उन्हें स्वैच्छिक रूप से सहायता करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण और सड़क बंद होने पर पहचान पत्र प्रदान किया जाता है।

ताकि वे पुलिस या एम्बुलेंस के आने से पहले प्रारंभिक कार्य कर सकें। यह प्रशिक्षण ड्राइवरों को भी दिया जा रहा है ताकि यदि वे सड़क पर कहीं भी दुर्घटना देखें तो वे भी बचाव कार्य के लिए आगे आ सकें, यदि उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त है। क्षेत्र के लोग प्रशिक्षण पाकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों को इस बारे में पता नहीं है। यह प्रशिक्षण सभी के लिए उपयोगी होगा।

रेड लाइट एरिया लच्छीपूर में वर्चस्व को लेकर हमला

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (नियामतपुर): कुल्टी थाना क्षेत्र के रेड लाइट एरिया लच्छीपूर में वर्चस्व को लेकर गुरूवार की देर संध्या मारपीट की घटना घटी. बताया जाता है कि 40 से 50 की संख्या में लाठी डंडो से लैस युवकों ने रेड लाइट एरिया पर हमला कर दिया. दुकानों मे तोड़फोड़ की और यौन कर्मियों की पिटाई कर दी. जब रेड लाइट एरिया के युवक पहुंचे तो दंगाइ युवक ईंट पत्थर चलाते हुए भाग गए. इधर भयवश रेड लाइट एरिया की सभी दुकाने बंद कर दी गई.

घटना की सूचना पाकर पहुंची नियामतपूर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया. मौके पर एसीपी कुल्टी जावेद हुसैन, कुल्टी थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक कृष्णेंदु दत्ता, नियामतपूर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे. पुलिस ने सभी दुकानों को खुलवाया और स्थानीय युवकों को शांत करवाया.

स्थानीय युवकों ने बताया कि छोटी सी विवाद को लेकर पड़ोसी युवकों ने यहां आकर जमकर उत्पात मचाया. दुकानों में रखे सामानों को तोड़ दिया यहां की लड़कियों को पीटा. इसे लेकर पुलिस में शिकायत की जाएगी.

हालांकि यह घटना कोई नयी नहीं है. लाल बत्ती क्षेत्र होने के कारण यहां हमेशा इस तरह की घटना होते रहती है. हालांकि पहले यहां एक पुलिस पिकेटिंग थी. जिसके कारण कोई भी आपराधिक तत्व यहां आने की हिम्मत नहीं करता था. यदि फिर से पुलिस पिकेटिंग शुरू की जाती है तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा.

स्थानीय गौतम दास ने कहा कि लोग अपना अपना समाज की बात करते है तो हमलोग किस समाज के है. हमलोग कहाँ जायेगे? हम लोगो को कौन देखेगा? हमारी कौन सुनेगा?

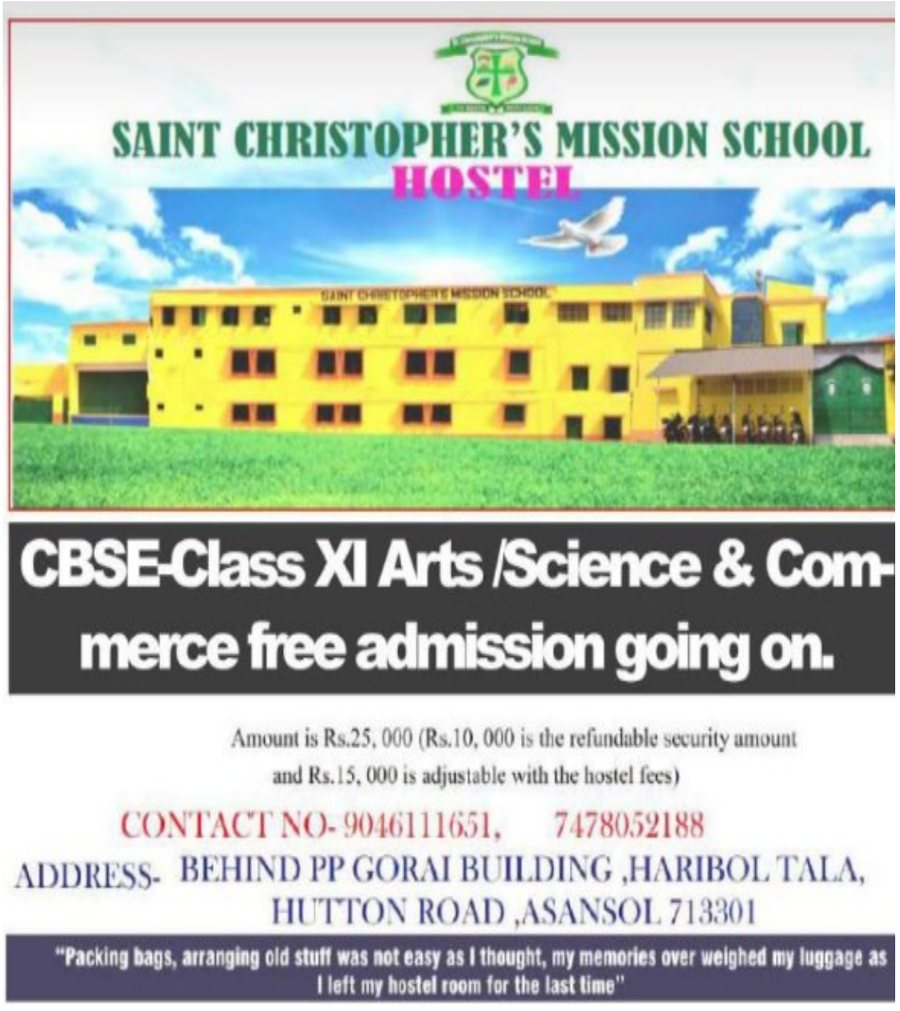

लच्छीपुर रेड लाईट एरिया में आतंकी दलालों का आतंक, ग्राहकों को मार पीटकर 2 लाख 90 हजार रुपये छीने, पांच गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (नियामतपुर): कुल्टी थाना अंतर्गत लच्छीपुर रेड लाईट एरिया में फिर से दलालों का आतंक कायम होते दिख रहा है. तजा मामले में मालदा के फरक्का से आए तीन ग्राहकों के से करीबन तीन लाख की लुट कर एक कमरे में इन लोगों को बंद कर बुरी तरह से पिटाई की गई, किसी तरह ये लोग अपनी जान बचा कर पुलिस को जानकारी दी. पुलिस ने छापामारी करते हुए 5 दलालों को गिरफ्तार कर आसनसोल कोर्ट भेजा और तीन आरोपियों को चार दिन का रिमांड पर ले आई।

उल्लेखनीय है कि लालबत्ती क्षेत्र लच्छीपुर जो राज्य की सबसे दूसरी बड़ी यौनपल्ली हैं, जो आए दिन चर्चा में रहती हैं। खसकर यहाँ दलालो का आतंक बिकराल रूप ले चुकी हैं. ग्राहकों के साथ मारपीट कर लुटा जा रहा हैं. इसी प्रकार का एक घटना प्रकाश में आया है.

मालदा जिला के फरक्का से तीन ग्राहक लच्छीपुरा यौन पल्ली पहुंचे.

मनोरंजन के नाम पर कुछ युवक तीनों को समझा बुझा कर एक दुकान में ले गया. वहां से एसी कमरे में तीनों को ले जाया गया. जहां ग्राहकों की मांग पूरी की गई. करीबन दो बजे रात्री इन्हें अलग-अलग कमरे में ले जाकर 2 लाख 90 हजार रुपये की मांग की गई. नहीं देने पर दलालों के ग्रुप ने इनके फोटो खिंचकर पहले ब्लैकमेल किया, उस पर भी इतनी रकम देने का विरोध करने पर इनके साथ मारपीट की गई. इस कड़कडाते ठण्ड में कपड़े खोल कर पीटा गया. मजबूर होकर ग्राहकों द्वारा यूपीआई, स्क्रैच मशीन के माध्यम से करीबन 2 लाख 63 हजार देना पड़ा. इसी दौरान एक व्यक्ति वहां से किसी प्रकार भाग कर दिशा मुख्य द्वार पर पहुंचा. जहाँ दूरबार समिति के सदस्यों द्वारा सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस ने समय ना गंवाते हुए नियामतपुर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी, एसआई विनय दास के नेतृत्व में छापामारी कर 5 लोगों को गिरफ्तार किया. जिसमे शहवाज आलम, लच्छू सरकार, अफरोज अंसारी, रोहन साव, छोटू गोस्वामी को गिरफ्तार कर थाना ले आई.

वहीं बाकी दलाल भागने में सफल रहे. वहीं पुलिस ने इन लोगों के पास से 2 लाख 7 हजार रुपए बरामद भी किया. पुलिस ने सभी को आसनसोल जिला कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग की. कोर्ट द्वारा तीन आरोपियो शहवाज आलम, लच्छू सरकार, अफरोज अंसारी को चार दिन के रिमांड पर पुलिस को सौप दिया गया.

हालाँकि यह कोई नयी घटना नहीं है. लच्छीपुर रेड लाईट एरिया में इस तरह की अनेको घटनाएं हुई है, पुलिस द्वारा कार्यवाई भी की गई. दलालों को पकड़कर जेल भी भेजा गया. किन्तु इन सब का आतंकी दलालों पर कोई असर नहीं पड़ा. वे दोबारा छूटकर आते है और फिर से वाही घटना को अंजाम देते है. यानी चूहा बिल्ली का खेल जारी है. पुलिस-प्रशासन को कुछ ठोस और फुखता कार्यवाई करनी होगी.

पुरुलिया से चोरी हुआ हुआ जेसीबी सांकतोड़ीया से बरामद, दो गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (नियामतपुर): पुरुलिया जिला के हुड़ा थाना अंतर्गत भागाबान्ध से चोरी हुई जेसीबी सांकतोड़िया फांड़ी के पूर्वांचल से गुरुवार को पुलिस की संयुक्त छापामारी में बरामद हुई।

जानकारी के मुताबिक भागाबान्ध के रफीक अंसारी की जेसीबी 7 जनवरी की सुबह चुरा ली गयी थी। यह बात उनको बाद में पता चली। उन्होंने इस सिलसिले में 8 जनवरी को थाने में मामला दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई। इस प्रकरण में सांकतोड़िया और हुड़ा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सांकतोड़िया फांड़ी के पूर्वाचल से 9 जनवरी को संयुक्त छापामारी अभियान चलाकर सांकतोड़िया 5 नंबर निवासी भोला साव (30) तथा पानागढ़ निवासी हाफीजुल रहमान (35) को उक्त जेसीबी के साथ धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि गाड़ी नंबर को हटा दिया गया था तथा जेसीबी मशीन के चेसिस से भी नंबर को घिस दिया था।

समाचार लिखे जाने तक पुलिस इस मामले में अन्य जुड़े लोगों की तलाश शुरू कर दी है। सांकतोड़िया फांड़ी प्रभारी शेख रियाजुद्दीन का कहना है कि इस मामले में और दो -तीन लोग शामिल हैं। जिन्हें धर पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान हुड़ा थाने के एसआई कृतिवास महतो भी मौजूद रहे।

शिल्पांचल के सुप्रसिद्ध समाजसेवी भक्ति राम भालोटीया का स्वर्गवास

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (रानीगंज): श्री भक्ति राम भालोटिया एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, जिनका जन्म 12 अप्रैल 1941 को हुआ था। उन्होंने कोलकाता के प्रतिष्ठित रिपन कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, जिसे अब सुरेंद्र नाथ कॉलेज के नाम से जाना जाता है। एक समर्पित पारिवारिक व्यक्ति, उनका विवाह सुशीला भालोटिया से हुआ था और उनकी पाँच बेटियाँ और एक बेटा है।

उनके योगदान को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से मान्यता मिली है, जिसमें रानीगंज चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा उन्हें दिया गया शिल्पांचल गौरव सम्मान भी शामिल है। यह सम्मान रानीगंज समाज की बेहतरी के प्रति उनके

उल्लेखनीय समर्पण और इसके निवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों को दर्शाता है।

बसंती देवी विद्या मंदिर गर्ल्स स्कूल, जहां 2000 छात्राएं शिक्षा ग्रहण करती हैं, के सचिव श्री भक्ति राम भालोटिया ने शिक्षा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। उनका शानदार जीवन सामुदायिक विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और प्रगति की उनकी निरंतर खोज का एक प्रमाण है।

ट्रेफिक पुलिस ने लापता किशोर को बरामद कर उसके परिवार को सौंप दिया

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (कांकसा): ट्रैफिक गार्ड के पुलिस कर्मियों ने एक लापता किशोर को बरामद कर उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किशोर बांकुरा का रहने वाला है और कुछ दिन से लापता था। आज सुबह स्थानीय लोगों को उस समय संदेह हुआ जब उन्होंने किशोर को पानागढ़ बाजार में घूमते देखा। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। वे उसे बचाने गए और उसके परिवार से संपर्क करने की कोशिश की। बाद में जब परिवार के सदस्यों ने पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी और किशोर की पहचान उनके विवरण से मेल खा गई, तो परिवार के सदस्य उसे लेने के लिए पानागढ़ बाजार आए। वहां, कांकसा ट्रैफिक गार्ड के पुलिसकर्मियों ने उसके कागजात की जांच और उसकी पहचान की पुष्टि करने के बाद किशोर को उसके परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने किशोर को इतनी जल्दी बचा लेने के लिए पुलिसकर्मियों को धन्यवाद दिया।

गंगासागर मेला के तीर्थयात्रियों के लिए अस्थायी शिविर का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (कुल्टी): गंगासागर मेले में स्नान करने के लिए अन्य राज्यों से कुल्टी थाना अंतर्गत डिबुरडीह चेक पोस्ट क्षेत्र तीर्थयात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है.

इसे लेकर आसनसोल के मेयर बिधान उपाध्याय ने बंगाल- झारखंड सीमा पर डुबुरडीही चेक पोस्ट के सामने पार्किंग स्थल पर अस्थायी शिविर का फीता काट कर उद्घाटन किया. राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशानुसार आसनसोल नगर निगम के प्रबंधन में उक्त शिविर की व्यवस्था की गई है.

मकर संक्रांति के अवसर पर दूसरे राज्यों से भी गंगा सागर मेला देखने और स्नान करने लोग बंगाल आते हैं. आने वाले श्रद्धालुओ के लिए शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा, इस शिविर में श्रद्धालुओ के स्वागत के लिए आसनसोल नगर निगम की टीम के साथ पार्षद हर समय मौजूद रहेंगे। मौके पर कुल्टी थाना प्रभारी कृष्णेंदु दत्ता, कुल्टी ट्रैफिक आईसी चिन्मय मंडल, चौरंगी फाड़ी प्रभारी कार्तिक चंद्र भुई, डिप्टी मेयर वसीमुल हक, मेयर परिषद सदस्या इंद्राणी मिश्रा, गुरदास चटर्जी व सभी पार्षद उपस्थित थे.

कोकोओवन थाना पुलिस ने अग्निअस्त्र के साथ पांच लोगो को पकड़ा

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (दुर्गापुर): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के कोकोओवन थाना पुलिस ने अग्निअस्त्र के साथ पांच लोगों को पकड़ा है|

पुलिस को देर रात यह खबर मिली की क्षेत्र के दुर्गापुर रेलवे स्टेशन से सटे भयरव साथन बेदी के पास कुछ शातिर अपराधी अग्निअस्त्र के साथ इकट्ठा हुए हैं| पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचा तो पहले शातिरो ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश किये लेकिन पुलिस की फील्डिंग से भागना नामुमकिन था| पुलिस को आरोपियों के पास से एक वन शटर पिस्टल, एक नाइन एमएम पिस्टल और 10 राउंड कारतूस बरामद हुए है| पकड़े गए आरोपियों में से चार लोग बिहार के रहने वाले है|

रंजीत रविदास पिता सूखकर रविदास जो बिहार के झांझा का रहने वाला है, दूसरा आरोपी भी संतोष दास पिता स्वर्गीय सहदेव दास वह भी बिहार

जमुई का रहने वाला है,तीसरा आरोपी भी विक्की सह पिता स्वर्गीय तुलसी सह भी बिहार झाझा का रहने वाला है,

चौथा आरोपी बिजय सह पुत्र ओमप्रकाश दास भी बिहार झंझा के रहने वाला है. वही पांचवा आरोपी दीपक दास पुत्र ओमप्रकाश दास कोलकाता के उत्तर 24 परगना का निवासी है|

अब पुलिस इन आरोपियों को रिमाड में लेकर आगे की पूछताछ में लग गई है और यह पता कर रही है की यह लोग यहां क्यों इकट्ठा हुए थे इनकी क्या मकसद था और कौन-कौन इनके साथ शामिल है, ताकि पूरे नेटवर्क को पकड़ा जा सके|

आईपीएल के तर्ज पर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (रानीगंज): मारवाड़ी युवा मंच रानीगंज शाखा द्वारा एमवाईएमपीए सीजन 4 का आयोजन श्री श्री महावीर व्यायाम समिति के मैदान में किया गया. जिसमें कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया. श्रीजी, रूद्रा नाइट, इंडियन सुपर किंग्स, श्री गोपाल कुल 7 मैच खेले गए सभी मैच 10 ओवर के थे. कार्यक्रम का उद्घाटन महाकाय उधोग के राजकुमार सिंह, हर्ष खेतान, रानीगंज ट्रैफिक ओ.सी अनंत कुमार राय द्वारा किया गया.

आयोजन का मुख्य उद्देश्य यही है कि मारवाड़ी युवा मंच ऐसी टीम तैयार की जाए जो स्टेट और नेशनल लेवल पर रानीगंज का नाम रोशन करें।

अंडाल थाना पुलिस ने एक अपराधी को अग्निअस्त्र के साथ पकड़ा

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (अंडाल): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के अंडाल थाना पुलिस को यह जानकारी मिली कि एफआईआर मामले के आरोपी राजेश कुमार तांती (32) पुत्र स्वर्गीय भाजो तांती, जो मधुसूदनपुर कोलियरी, कजोड़ा ग्राम का निवासी है वह हथियार रखता हैं। इसके बाद अंडाल थाना प्रभारी मेघनाथ मंडल के नेतृत्व में पुलिस बल उपरोक्त आरोपी के घर पर छापामारी की और उसके घर से तलाशी के दौरान पांच ताजा कारतूस और बन्दूक बरामद हुई। अब पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है|

मार्शल आर्ट, योगा, वेटलिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग जैसे खेलों का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (रानीगंज): कराटे स्टेडियम में चार दिवसीय मार्शल आर्ट, योगा, वेटलिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग जैसे खेलों का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में रानीगंज कोयला क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्रों से 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। नेशनल फुल-कॉन्टैक्ट कराटे टूर्नामेंट में 450 प्रतिभागियों ने 25 श्रेणियों में भाग लिया। इसमें पुरुलिया के स्नेहाशीष सूत्रधार हेवीवेट वर्ग के विजेता बने और दूसरे स्थान पर शुभजीत बाउरी रहे। महिलाओं में कोलकाता की सुस्मिता चटर्जी ने सर्वश्रेष्ठ कराटे प्रतियोगी का खिताब जीता।

कार्यक्रम के अंतिम दिन वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागियों ने 4 श्रेणियों में हिस्सा लिया। इसमें रानीगंज के शुभदीप दत्ता ने पुरुषों में और 83+ किग्रा वर्ग में वार्षा यादव ने महिलाओं में विजेता का खिताब जीता।

बॉडी बिल्डिंग और फिजिक प्रतियोगिताएं में 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 10 महिलाएं शामिल थीं। 80 किग्रा वर्ग में अभिजीत पाल ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। ओवरऑल चैंपियनशिप बांकुरा के दीपक दास ने जीती, और हुगली के राजकुमार सरकार मेंस फिजिक चैंपियन बने।

इस आयोजन के मुख्य आयोजक, 5वीं डैन ब्लैक बेल्ट और भारत के कराटे प्रतिनिधि सेंसई मिहिर बाग, ने विजेताओं को सम्मानित किया।

आज का राशिफल

10 जनवरी 2025
शुक्रवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन अच्छा रहेगा. व्यापार में आर्थिक लाभ होगा. घर में शुभ प्रसंग का आयोजन होगा. स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगे. परिजनों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा. कार्यस्थल पर सफलता मिल सकता है. समय प्रसन्नता से बीतेगा.

वृषभ
दिन अनुकूल रहेगा. कुछ काम में आपको सफलता मिलेगी, कुछ अधूरे रह जाएंगे. व्यापार में कुछ नया करने का प्रयास करेंगे. आलस्य और चिंता बनी रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखें. वाद-विवाद से बचे. नौकरी में पदोन्नति हो सकती है.

मिथुन
दिन मिलाजुला रहेगा. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. नेगेटिव विचारों को मन से निकाल दे. अनैतिक काम से दूर रहे. आकस्मिक प्रवास का योग बनेगा. कोई अच्छी खबर मिल सकती है. व्यापार में विकास होगा. वाद विवाद से दुरे रहे.

कर्क
दिन बढ़िया रहेगा. सम्बन्ध में कुछ अधिक इमोशनल रहेंगे. आनंद-प्रमोद तथा मनोरंजक प्रवृत्ति से मन खुश रहेगा. मित्रों का साथ मिलने से आनंद दोगुना हो जाएगा. स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय ध्यान रखें. क्रोध पर संयम रखें.

सिंह
दिन उत्तम रहेगा. व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ प्राप्त होगा. धन प्राप्ति का प्रबल योग है. आय में वृद्धि होने की संभावना है. आर्थिक कष्ट दूर हो जाएगा. छोटे प्रवास या पर्यटन का योग है. मित्रों के साथ मुलाकात आनंददायी रहेगी.

कन्या
दिन आनंददायी रहेगा. कला के प्रति आप की रुचि बढ़ेगी. व्यापार में कोई कठिन काम बन जाएगे. नौकरी में उंन्ति करेगे. विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी. जीवनसाथी के साथ आपके संबंध और मजबूत बनेंगे. प्रेम जीवन सकारात्मक रहेगा.

तुला
दिन मध्यम रूप से फलदायी रहेगा. स्थायी संपत्ति के मामले में बेहद ध्यान रखना होगा. स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. परिवार में तकरार न हो, इसका ध्यान रखें. एनर्जी बनी रहेगी. समय पर आप काम पूरा कर पाने की स्थिति में होंगे.

वृश्चिक
दिन अनुकूल रहेगा. गृहस्थजीवन में उलझने समाप्त होगी. स्थायी संपत्ति से जुड़े काम में सफलता मिल सकती है. भाई-बहनों के साथ संबंधों में प्रेम बना रहेगा. काम में प्रतिकूलताओं में वृद्धि होगी. आज सामाजिक क्षेत्र में अपयश प्राप्त होगा.

धनु
दिन अच्छा रहेगा. सुखद पलों का आनंद उठा सकेंगे. आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा. पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा. मित्रों से लाभ होगा. यात्रा की संभावना है. आय के सोर्स बढ़ेंगे. व्यापार में लाभ हो सकता है.

मकर
दिन उत्तम रहेगा. धन, मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. व्यापार में लाभ होने की संभावना रहेगी. सरकार, मित्र तथा संबंधियों से लाभ होगा. गृहस्थ जीवन में आनंद का अनुभव होगा. आय और व्यय में संतुलन रखे. धन खर्च कर सकते हैं.

कुंभ
दिन अनुकूल नहीं रहेगा. धार्मिक और सामाजिक काम में धन खर्च होगा. सम्बंधियों और मित्रों के साथ विवाद हो सकता है. वाहन चलाने में सावधानी रखना होगी. काम सरलतापूर्वक संपन्न होंगे. परिजनों के साथ समय सुखपूर्वक गुजरेगा.

मीन
दिन लाभप्रद रहेगा. विवाह योग्य जातकों का रिश्ता पक्का हो सकता है. पर्यटन का आयोजन होगा. मित्रों से उपहार मिलेगा. हर काम में सावधानी बरतनी होगी. सरकारी काम अटक सकता है. अधिक मेहनत के बावजूद भी कम फल मिलेगा.

वर्चस्व को लेकर चले बम और गोली, गाड़ियों को किया गया आग के हवाले दर्जनों लोग और डीएसपी घायल

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): कतरास/ आये दिन कोयलांचल में कोयला का कारोबार हो चाहे आउटसोर्सिंग कंपनी में वर्चस्व बनाने को लेकर बम गोली चलना कोई नई बात नहीं है। गुरुवार को बाघमारा पुलिस अनुमंडल के धर्माबाद ओपी क्षेत्र अंतर्गत बाबूडीह में आउटसोर्सिंग कंपनी में वर्चस्व बनाने को लेकर दो गुटों में जमकर बवाल हो गया। दर्जनो राउंड फायरिंग हुई गोलियां चली दर्जनों लोग घायल हुए जिंदा बम बरामद हुआ कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया।

आउटसोर्सिंग कंपनी में वर्चस्व को लेकर हुए बवाल में पत्रकार भी चोटिल होने की खबर है। कुछ ही देर में खरखरी स्थित गिरिडीह सांसद सीपी चौधरी के कार्यालय में आग लगा दी. इसी घटना में संलिप्त उपद्रवियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी करने खरखरी तालाब स्थित कारू यादव के मार्केट में पहुंची थी पुलिस इसी बीच पुलिस को कारू यादव के समर्थकों के साथ मुठभेड़ का सामना करना पड़ा है, जिसमें करू यादव को पूछताछ हेतु हिरासत में लेने के दौरान पुलिस पर जमकर ईंट पत्थर बरसाए गए. इस घटना में बाघमारा डीएसपी पुरुषोत्तम कुमार सिंह बुरी तरह से घायल हो गए सर पर काफी छोटे आई है जिसका फिलहाल सिनिडीह नर्सिंग होम में प्राथमिक उपचार के बाद अशर्फी हॉस्पिटल धनबाद रेफर कर दिया गया, मगर बेहतर इलाज के लए अशर्फी से रांची रेफर किया गया। कई थाने की पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है। स्थिति को नियंत्रण करने की आखिरी कोशिश की जा रही है। माहौल तनावपूर्ण है।

प्रस्तावित हिलटॉप राइज आउटसोर्सिंग कंपनी दो गुटों में खूनी संघर्ष, एक को लगी गोली

धर्माबांध ओपी अंतर्गत बाबूडीह क्षेत्र में प्रस्तावित हिलटॉप राइज आउटसोर्सिंग कंपनी चलाने को लेकर दो गुटों में जमकर गोली-बम चले है, बताया जाता है कि एक गोली से कोई एक आदमी घायल हुआ है । स्थानीय पुलिस प्रशासन की

उपस्थिति में दर्जनों राउंड गोली और कई बमों के धमाके से इलाका दहल गया, विवश होकर पुलिस पीछे हट गयी, इस खूनी संघर्ष में दर्जनों लोग घायल हो गये, कुछ दिन पहले गिरिडीह सांसद सीपी चौधरी ने गोविंदपुर क्षेत्रीय प्रबंधन को साफ कह दिया था कि कंपनी जब तक सभी अहर्ताओं को पूरा नहीं करती है, तब तक यहां काम नहीं होगा, फिर कैसे यहां खूनी संघर्ष हो रहा है, इसके लिये कौन जिम्मेदार है?

मधुबन थाना के 500 मीटर के परिधि तक तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए निषेधाज्ञा जारी

अनुमंडल दंडाधिकारी राजेश कुमार ने मधुबन थाना के 500 मीटर के परिधि में भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (भा.ना.सु.सं.) की धारा 163 के तहत तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए निषेधाज्ञा जारी की है। इस संबंध में अनुमंडल दंडाधिकारी ने कहा कि दिनांक - 09.01.2025 को मधुबन थामा क्षेत्र के खरखरी स्थित राजनीतिक दल के कार्यालय को शरारती तत्वों द्वारा आगजनी के तहत क्षतिग्रस्त किया गया। जिस कारण मधुबन थाना क्षेत्रान्तर्गत विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गयी है। इसलिए लोक परिशांति एवं विधि-व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से भा.ना.सु.सं. की धारा-163 के तहत मधुबन थाना के 500 मीटर के परिधि तक तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए निषेधाज्ञा जारी की गई है।

इस निषेधाज्ञा के जारी होने के उपरांत उस क्षेत्र में पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों का आन्दोलन के उद्देश्य से एकत्रित होना, किसी प्रकार का धरना प्रदर्शन, रैली, सभा, ध्वनी विस्तारक यंत्र का उपयोग करना, हरवे हथियार एवं आग्नेयास्त्र के साथ चलने अथवा उसके प्रयोग करने पर प्रतिबंध रहेगा।

उक्त थाना में पदस्थापित एवं प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/कर्मचारी, वहां पर उपस्थित पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियो, पुलिस बलों, कर्मियों तथा थाना से संबंधित कार्य से आने-जाने वाले छोटे एवं बड़े वाहन पर यह प्रतिबंध लागू नहीं रहेगा।

इसी प्रकार विद्यार्थियो के शिक्षण संस्थान में आने जाने या अन्य व्यक्तियों के उक्त क्षेत्र से होकर अन्य कार्यों से आने-जाने अथवा उक्त क्षेत्र से शवयात्रा, वैवाहिक एवं धार्मिक कार्य से जानेवाले लोगों पर भी यह प्रतिबंध लागू नही होगा। इसी प्रकार यह प्रतिबंध सिक्खों के कृपाण धारण, नेपालियों के खुखरी धारण करने पर भी लागु नहीं होगा।

रेल बजट पर अलीपुर कोलकोता में मंडलीय समिति की बैठक

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): आगामी रेल बजट सत्र से पहले आज अलीपुर कोलकाता स्थित ताज बंगाल होटल मे आद्रा रेल मंडल एवं खड़कपुर रेल मंडल के मंडलीय सांसद समिति की बैठक मे धनबाद सांसद ढुल्लु महतो शामिल हुए जहाँ रेल महाप्रबंधक के साथ प्रधान रेल अधिकारियो ने धनबाद सांसद को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस मंडलीय सांसद समिति की बैठक मे धनबाद सांसद ढुल्लु महतो ने धनबाद से सीधी ट्रेन के साथ कई महानगर सहित विभिन्न प्रदेश के लिए नई ट्रेन की शुरुवात करने कई एक्सप्रेस ट्रेनों का कोयलांचल एवं लोहाँचल क्षेत्र के स्टेशन मे ठहराव कई रेल फाटक मे रेल ओवरब्रिज रेल अंडरपास रांगाटांड़, डायमंड क्रोसिंग, डीआरएम कार्यालय के पीछे रेलवे कॉलोनी, हिल कॉलोनी एवं वॉच एंड वार्ड कॉलोनी बोकारो स्टील सिटी रेल कॉलोनी के रिपेयरिंग के साथ व्याप्त गन्दगी की साफ सफाई का मुद्दा उठाया और कई सुझाव दिए जिस पर रेल महाप्रबंधक ने सकारात्मक पहल करने का भरोसा जताया।

दुर्भाग्य है कि हजारों लोग फ्रेड कॉरिडोर के निर्माण में बेघर हो रहे हैं- मुन्ना यादव

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (निरसा): फ्रेट कोरिडोर निर्माण के लिए आसनसोल रेल मंडल द्वारा गुरुवार की सुबह 37 घरों को चिन्हित कर खाली करने के लिए कहा गया है। इस संबंध में आसनसोल रेल मंडल द्वारा कुमारधुबी पुलिस को 13 जनवरी को 37 घरों के खाली कराने के समय उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। वही विस्थापित हो रहे हैं मुन्ना यादव ने बताया कि यह दुर्भाग्य है कि हजारों लोग फ्रेड कॉरिडोर के निर्माण में बेघर हो रहे हैं। हालांकि हम लोग देश के विकास में बाधक नहीं है। हम लोगों ने जब भी रेल पदाधिकारी आए उनका सहयोग किया। साथ ही डीआरएम से कम से कम लोग बेघर हो इसे लेकर हम लोगों ने वार्ता किया था। परंतु आज रेलवे द्वारा मार्किंग की गई है जिसमें 51 मीटर नापी की गई है। रेल अगर 51 मीटर जमीन लेती है तो हजारों लोग बेघर हो जाएंगे। जिसको बसाने की व्यवस्था ना तो केंद्र सरकार की है ना राज्य सरकार। इस पर अभिलंब राज्य सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। ताकि कम से कम लोग बेघर हो। मौके पर काफी संख्या में विस्थापित मौजूद थे।

पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा- सीएम हूं और सीएम ही रहूंगा, धर्मांतरण के खिलाफ रहूँगा मुखर

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): रांची/ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा है कि वह सीएम हैं और हमेशा सीएम रहेंगे. भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और ओडिशा के राज्यपाल के पद से हाल ही में इस्तीफा देने वाले रघुवर दास ने यह बीत कही है. उन्होंने कहा है कि वह शुक्रवार को एक बार फिर से सक्रिय राजनीति में वापसी करने जा रहे हैं. भाजपा के आम कार्यकर्ता के रूप में वह संगठन में पदार्पण करने जा रहे हैं. रांची में पत्रकारों से बातचीत में रघुवर दास ने कहा कि वह सीएम हैं और हमेशा सीएम रहेंगे. उन्होंने सीएम का फुल फॉर्म भी बताया. कहा- सीएम यानी कॉमन मैन. एक ऐसा व्यक्ति, जिससे कोई भी कभी भी मिल सकता है.

रघुवर दास ने कहा कि भाजपा ने उन्हें अब तक जो भी जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा से उन्होंने निर्वहन किया है. आगे भी वह ऐसा ही करते रहेंगे 10 जनवरी को वह पार्टी की फिर से सदस्यता लेने जा रहे हैं. पार्टी उन्हें जो भी काम सौंपेगी, वह करेंगे. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पार्टी में साधारण कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे. अगर कोई जिम्मेदारी मिली, तो उसे भी निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में स्वीकार करेंगे.

रघुवर दास ने कहा कि वह बार-बार कह चुके हैं कि वह सीएम हैं और रहेंगे. सीएम यानी कॉमन मैन. एक बार फिर से सक्रिय राजनीति में वापसी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक छोर से नहीं बांधा. झारखंड के मुख्यमंत्री और ओडिशा के राज्यपाल रहे. हमेशा यही सोचा कि कैसे आम लोगों की मदद करें. ओडिशा के राज्यपाल के रूप में 14 माह के कार्यकाल में राजभवन के दरवाजे हमेशा आम लोगों के लिए खोलकर रखा.

रघुवर दास ने सक्रिय राजनीति में आने से पहले ही ऐलान कर दिया है कि वह झारखंड में धर्मांतरण के खिलाफ आंदोलन करेंगे. उन्होंने कहा कि झारखंड में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है. इसे रोकने वाला कोई नहीं है. धर्मांतरण के जरिए आदिवासी समाज को समाप्त करने की साजिश हो रही है. वह ऐसा नहीं होने देंगे. गांव-गांव में जाकर धर्मांतरण को रोकने के लिए आंदोलन खड़ा करेंगे. लोगों से पूछेंगे कि आखिर इसके पीछे है कौन? क्यों आदिवासियों और मूलवासियों की अस्मिता को योजनाबद्ध तरीके से मिटाने की साजिश हो रही है.

रघुवर दास जब झारखंड के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ कड़ा बिल झारखंड विधानसभा में पेश किया था.

इगल इंफ्रा आउटसोर्सिंग में रैयतों का बवाल, वार्ता के बाद शांत हुए ग्रामीण

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): बीसीसीएल के पीबी एरिया मे संचालित इगल इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा गुरुवार को बाउंड्री वॉल काम करने पर सैकड़ों की संख्या में अरलगड़िया रैयत महिलाए, युवती, युवक ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। घटना स्थल पर दो बम फूटे व एक जिंदा बम बरामद किया गया। कई थाने के पुलिस घटना स्थल पर पहुँच।

बताते चले की ग्रामीण ने नियोजन की माँग को लेकर काम को रोक दिया, पुलिस व ग्रामीणों के बीच चल रहे वार्ता के दौरान भीड़ से लगभग 100 मीटर की दूरी पर दो बम फूटे जिससे पूरा इलाक़ा दहशत हो गई। बम फूटे स्थल से एक ज़िंदा बम बरामद किया गया जिसकी

पुलिस द्वारा पुष्टि नहीं की गई। हंगामा की सूचना मिलते ही पुटकी थाना प्रभारी मनोहर करमाली दल बल के साथ पीबी एरिया पहुंचकर ग्रामीणों को समझा कर पुटकी थाना बुलाया।

बताया जाता है कि पूर्व में भी कई बार अरलगाड़िया के रैयत ग्रामीण जमीन के बदले मुआवजा एम नियोजन की मांग कर रहे थे. मगर अचानक ही बाउंड्री वॉल का काम चालू होने पर ग्रामीण भड़क गए. और जमकर हंगामा किया,

वही ग्रामीण महिला ने बातया की पूर्व मे पीबी एरिया में संचालित ईगल इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के मुख्य द्वार पर नियोजन सहित कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दिए थे, धरने के आठवें दिन प्रबंधक द्वारा लिखित आश्वासन दिया गया था हम रैयत ग्रामीणों को आउटसोर्सिंग में नियोजन दिया जाएगा.मगर कंपनी द्वारा बिना नियोजन दिए बाउंड्री वॉल का कार्य शुरू कर दिया गया था जिसका विरोध हम लोगों ने किया है,

वही थाना प्रभारी के बुलाने पर दर्जनों महिला थाना पहुंची, वही धनबाद डीएसपी नौशाद आलम ने ग्रामीणों से बाते कर शुक्रवार को पुटकी थाना परिसर मे वार्ता करने का आश्वाशन दिया, जिसपर ग्रामीण मान गए।

विस्थापन और पुनर्वास को लेकर गणतंत्र समूह ने की आमसभा

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): झरिया विधान सभा, गणतंत्र समूह का आम सभा बोका पहाड़ी (बरफ कल) में संपन्न हुआ। सभा में मुख्य रूप से समूह के संयोजक साथी प्रेम बच्चन उपस्थित थे, इस दौरान गत महीनो से निजी खनन कम्पनियो के द्वारा गैर जिम्मेदाराना ढंग से हो रहे उत्खनन से वर्षो से नीजी आवास बना के रह रहे निवासियों को जबरन विस्थापन

की स्थिति पैदा करने पर चर्चा किया, यह भी बात हुई अपने लाभ के खातीर अस्थायी पुनर्वास शहरियो पर जुल्म करने जैसा है, इन तमाम विषयो पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त महोदय सहित सम्बंधित को हस्ताक्षरित आवेदन देकर के गुहार लगाई गई। संसित दुर्घटना पूर्व यदि स्थायी विकल्प नहीं बनाये गए तब समूह इस सम्बन्ध में गणतांत्रिक संघर्ष कर वर्तमान अस्थायी विस्थापन नीती के खिलाफ सीधा संघर्ष करने की घोषणा की, राजपुर माइंस पर लोगो ने स्थायी विकल्प के सवाल पर घंटो नारेबाजी किये, सभा में देवीलाल, जगदीश भुइँया, राजा राम, सुनील कुमार, अमरजीत कालिंदी, लक्ष्मी कारवाँ, हरेराम पंडित, गोरेलाल रवानी, राजवंशी सिंह, पवन रवानी, सावित्री देवी, सीताबिया देवी, आजाद भुइयां, राजकिशोर पंडित, जुगनू भुइँया, सहित अनेको लोग शामील हुए।

अखिल भारतीय किन्नर समाज के महाअधिवेशन में सावित्री देवी व उदय प्रताप सिंह ने छम छम देवी से लिया आशीर्वाद

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): अखिल भारतीय किन्नर समाज द्वारा बरामुडी के होटल वेडिंग बेल्स में आयोजित महाअधिवेशन में गुरुवार को धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी शामिल हुई और किन्नर छमछम देवी से सुआशीर्वाद प्राप्त की।

समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने पहुंचकर समाज की प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी व सचिव श्वेता किन्नर को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। छम छम देवी ने उदय प्रताप सिंह को अपना आशीर्वाद दिया और मोमेंटो देकर

सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर उनके साथ छम छम देवी से आशीर्वाद लेने के लिए वेंडिंग बेल्स के ऑनर हरीश सिंह, पुत्र श्वेताभ सिंह, भतीजा सानू सिंह, अजय पांडे साथ थे।

उदय प्रताप सिंह ने कहा अखिल भारतीय किन्नर समाज का छमछम देवी के नेतृत्व में झारखंड में इस तरह का 2 से दस जनवरी तक भव्य महाअधिवेशन में समस्त भारत के विभिन्न राज्यों के किन्नरों का जुटान, हम सब लोगों की खुशहाली एवं सुरक्षा के लिए प्राण प्रतिष्ठित शक्ति मंदिर में कलश यात्रा निकालकर पूजा अर्चना करना, भक्तजनों सुविधा के लिए मंदिर में 21 किलो का घंटा लगाना धनबाद का एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है। इस विशाल व्यवस्था के लिए मैं छम छम देवी, श्वेता किन्नर समेत समस्त टीम को बधाई देता हूं अब निश्चित रूप से उनके पूजा अर्चना, प्रार्थना और आशीर्वाद से झारखंड और धनबाद के लोगों सुख शांति खुशहाली की सारी विघ्न बाधाएं दूर होगी और सभी लोग खुशहाल रहेंगे, तरक्की करेंगे किन्नर हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है उनको सम्मान दे और उनके अधिकारों और सम्मान को सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। किन्नर समाज का निस्वार्थ आशीर्वाद दुआएं हमे खुशहाली के रास्ते में ले जाता हैं। किन्नरों का आशीर्वाद कभी खाली नहीं जाता।

शालीमार में गुलगुलिया विद्यालय झरिया के तत्वाधान में बौद्धिक गोष्ठी संपन्न

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): शालीमार, गुलगुलिया विद्यालय झरिया के तत्वाधान में 3 जनवरी से 30 जनवरी तक विभिन्न महापुरुषों पर आयोजित बौद्धिक- गोष्ठी श्रृंखला में गुरुवार को फ़ातिमा शेख के जन्मदिन पर बौद्धिक गोष्ठी संपन्न हुई। यह गोष्ठी शालीमार में आयोजित थी। गोष्ठी श्रृंखला का समापन 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर चिल्ड्रेन पार्क झरिया में होगा। फ़ातिमा शेख प्रथम मुस्लिम महिला शिक्षिका थीं। वंचित बालिकाओं, विशेषत: मुस्लिम समुदाय की बालिकाओं को शिक्षित करने की शुरुआत इन्होंने की थी। सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना इन्होंने अपने आवास में किया था।उस समय काल में मुस्लिम बालिकाओं को पढ़ाने का रिवाज नहीं था।गोष्ठी में मौजूद लोगों ने आपसी सहयोग कर कुल 1300 रुपए विद्यालय के संस्थापक अनिल पाण्डेय को दिया। अनिल पाण्डेय ने कहा कि 650 रूपए का उपयोग गुलगुलिया विद्यालय के पुनरुद्धार के लिए किया जाएगा।ज्ञातव्य रहे कि असामाजिक तत्वों ने विद्यालय को ध्वस्त कर दिया है। गोष्ठी में अनिल पाण्डेय, सतीश चंद्र रजक, शमशेर आलम, किशोर कुमार, फैयाज अहमद, फ़ैज़ अहमद रिज़वी, वीरेंद्र गुप्ता, अब्दुल अजीज, सपन कुमार बनर्जी, राकेश कुमार मंडल, सुमित कुमार, आलोक कुमार राज, फरीद अहमद, मोहम्मद शमीम अंसारी आदि ने विचार रखे।

सीएफएम संक्षिप्त

दुकान तोड़ने पर विधायक ने जोड़ापोखर के थानेदार व इंस्पेक्टर से की बात

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): जामड़ोबा 3 नंबर गुरुद्वारा के समीप अतिक्रमण करने के नाम पर जोड़ापोख़र थाना के द्वारा राजेश साव नामक युवक के सड़क किनारे चल रहे दुकान को क्षत विक्षत कर दिया गया, जहा राजेश साव ने झरिया विधायक रागिनी सिंह से मिल उन्हें घटना से अवगत करा न्याय की गुहार लगाई। विधायक श्रीमती सिंह ने मामले में जोड़ापोख़र थाना के प्रभारी और सब इंस्पेक्टर से मामले में बात की। वही इस घटना को उन्होंने निंदनीय बताते हुए कहा कि प्रशाशन द्वारा एक निर्दोष को इस तरह से बल प्रयोग कर बेरोजगार करना न्याय संगत नहीं हैं मामले में उच्च आला अधिकारियों से बात करूंगी।

गुरुद्वारा पहुंच झरिया विधायक ने माथा टेका

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): गुरुद्वारा गुरु संघ सभा जामाडोबा 7 नंबर में गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा आयोजित पाठ एवं लंगर में आज गुरुवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह ने गुरुद्वारा पहुंच माथा टेकर अरदास लगाई वही लंगर में शामिल हो श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया। इस दौरान प्रबंधन समिति के गोल्डी सरदार सहित सिख समाज के गणमान्य मौजूद थे।

पंख एक नई दिशा ने जरूरतमंदों को बांटा कंबल

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): सामाजिक संस्था पंख एक नई दिशा के द्वारा जोड़ा फाटक शक्ति मंदिर के पास ठंड से ठिठुरते असहायों व जरूरतमंदो के बीच कंबल बाटा गया। संस्था की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता, सुषमा प्रसाद, नम्रता गुप्ता, गायत्री गुप्ता, रंजना सिंह, लालिता सिंह, मनीष गुप्ता, शशि शेखर गुप्ता, सुधा गुप्ता, श्रुती गुप्ता, संगीता सिंह, रेखा देवी ने अपने हाथों से असहायो के बीच कंबल बांटा। अध्यक्ष पिंकी गुप्ता ने कहा संस्था के सभी सदस्याओं के सहयोग से कम्बल वितरण किया गया है। इस सहयोग के लिए उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया।बताई कि कम्बल वितरण अभियान ठंड तक ज़ारी रहेगा।

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): पूर्व मध्य रेलवे में धनबाद मंडल के ओबरा डैम- फफरा कुन्ड खंड के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है जिनका विवरण इस प्रकार है- दिनांक 10.01.25 को खुलने वाली गाड़ी संख्या 13344 शक्तिनगर-वाराणसी एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ चोपन स्टेशन से किया गया है| दिनांक 10.01.25 को शक्तिनगर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 15075 शक्तिनगर-टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस को शक्तिनगर से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जाएगी|

ट्राफिक नियमों का पालन कराने की ली शपथ

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत जिला परिवहन कार्यालय में जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी ने, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) कार्यालय में ट्राफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने तथा जिले के सभी थानों में एक साथ यातायात के नियमों का पालन कराने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान एमवीआई अभय कुमार, एमवीआई शुभम कुमार, एमवीआई हरीश कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजीनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी असिस्टेंट देवेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

रणधीर वर्मा स्टेडियम में आयोजित होगा गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर समाहरणालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पूर्व की भांति जिला स्तरीय मुख्य समारोह रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड और विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक झांकी निकाली जाएगी। उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरकारी कर्मी, पुलिस पदाधिकारी, राजस्व कर्मी, पंचायत सेवक, जनसेवक को सम्मानित किया जाएगा। संध्या न्यू टाउन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

उपायुक्त ने सभी विभागों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को झांकी में दर्शाने तथा झांकी में उत्कृष्ट एवं अच्छे संदेश प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। झांकी से पूर्व विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा ड्रील किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला सशस्त्र बल, झारखंड सशस्त्र बल,

एनसीसी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, होमगार्ड के प्लाटूनों द्वारा परेड में हिस्सा लिया जाएगा। परेड का पूर्वाभ्यास 20 जनवरी से 23 जनवरी तक किया जाएगा। वहीं 24 जनवरी को उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक फाइनल पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करेंगे।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर रणधीर वर्मा स्टेडियम में सुबह 9:00 बजे उपायुक्त द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके बाद उपायुक्त द्वारा समाहरणालय में सुबह 10:30 बजे, मिश्रित भवन में उप विकास आयुक्त द्वारा सुबह 10:45 बजे, अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सुबह 10:50 बजे, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी भवन में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सुबह 11:00 बजे, पुलिस लाइन में वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा 11:10 बजे तथा गांधी सेवा सदन में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर द्वारा 11:30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उत्पाद विभाग, टाटा स्टील जामाडोबा, बीसीसीएल, जिला शिक्षा अधीक्षक सर्व शिक्षा अभियान, वन विभाग, अग्निशामक विभाग, कृषि विभाग, पुलिस विभाग, डीआरडीए, आईसीडीएस, जनसंपर्क विभाग, आपूर्ति विभाग, गव्य विभाग, धनबाद नगर निगम, जेएसएलपीएस, सहकारिता, बैंकिंग सुविधाओं से संबंधित अग्रणी जिला प्रबंधक, पीएचडी, परिवहन, जिला उद्योग केन्द्र द्वारा आकर्षक झांकी निकाली जाएगी।

बैठक में मुख्य समारोह स्थल की साफ सफाई, सौंदर्यीकरण, मुख्य समारोह स्थल की घेराबंदी, सुरक्षा, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर विद्युत साज सज्जा आदि को लेकर विभिन्न पदाधिकारियों को अलग- अलग जिम्मेवारी दी गई।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, सिटी एसपी अजीत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, डीएसपी शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, सहायक श्रम अधिक्षक प्रवीण कुमार, नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी के अलावा टाटा स्टील, बीसीसीएल, एमपीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दो अनाथ बच्चों को मिला डालसा का सहारा

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): झालसा व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश व अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन के आदेश पर डालसा द्वारा गठित चाइल्ड केयर यूनिट के सदस्यों द्वारा चार गरीब अनाथ बच्चों को चिन्हित किया गया जिनके पिता की मृत्यु के बाद इन बच्चों का भोजन,शिक्षा आदि भी दुर्लभ हो गया था । चाइल्ड केयर यूनिट को इसकी सूचना मिली। अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने फौरन कार्रवाई करते हुए एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट नेतृत्व में टीम को फौरन कार्रवाई का निर्देश दिया निर्देश के आलोक में पीएलबी हेमराज चौहान और टिम ने बच्चों को चिन्हित कर सरकारी योजनाओं लाभ दिलाने के लिए उन्हें राशन कार्ड,आयुष्मान हेल्थ कार्ड और स्पॉन्सरशिप स्कीम से जुड़वाने का काम किया जिस कारण बच्चों सहित पूरे परिवार की आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान हो सका जिससे बच्चे अभी आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से करना शुरू किया । बच्चों की पढ़ाई तक सरकारी योजना के तहत उन्हें ₹4000 प्रतिमाह। की राशि आवंटित हो गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों बच्चों को बैंक पासबुक प्रदान किया तथा वहीं ठंड से राहत प्रदान करने के लिए उन्हें कम्बल भी दिया गया .इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अनाथ बच्चों के लिए डालसा की पूरी टिम हमेशा तत्पर है।

इस मौके पर व्यवहार न्यायालय के रजिस्टर आई जेड खान , डिप्टी चीफ एलएडीसीएस अजय कुमार भट्ट ,सहायक शैलेन्द्र झा, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरभ सरकार राजेश सिंह, हेमराज चौहान मौजूद थे।

देश-हित में उत्तरदायित्व, कर्तव्यों की अवहेलना

सुविधा और अधिकारों की चाहत ज्यादा

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है वहां समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा रखता है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके। इसी के फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है। स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिंच गई है।

व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे-धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अब ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी निजता के अधिकार को अपने पास रखते हुए दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान ना पहुंचाएं या उसकी स्वतंत्रता पर अतिक्रमण न करें, जिससे जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध संग संग चलते रहे और सामाजिक परिवेश का कर्तव्य तथा अधिकार के बोध में सामंजस्य बना रहे। हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट्र का विकास संभावित है। हम अपने आधुनिकता के चलते अपने दायित्व और मूल्यों के प्रति असावधान होते जा रहे हैं भारतीय समाज में बदलते समय के साथ नागरिक नैतिक मूल्यों की परवाह किए बगैर अपनी स्वच्छंदता एवं शक्ति के बल पर मनमानी तथा भ्रष्टाचार निरंकुशता को सर्वोपरि बनाने में लगे हुए है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत देश के आम नागरिकों के द्वारा राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधियों को विधिवत चुनकर संसद तथा विधान भवन भेजती है ताकि राज्य और देश का कल्याण हो सके किंतु अपने अधिकारों के प्रति उत्साहित यह राजनेता अपने मूलभूत कर्तव्य को भूलकर जनता का शोषण करने में लीन हो गए हैं और अधिकार संपन्न होकर निरंकुशता की श्रेणी में आकर बैठ गए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने अधिकार तथा उत्तरदायित्व में तालमेल न बिठा कर शासन की व्यवस्था को बिगाड़ कर रखा है।

अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने लिखा है कि जिस देश की आम जनता झोपड़पट्टी में रह रही हो उस देश के शासक प्रशासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता है। यह बात उन्होंने बहुत पहले कही थी पर यह आज भी अत्यंत प्रासंगिक तथा समीचीन है। वर्तमान में देश में यह बात तो एकदम स्पष्ट है कि हमें अपने अधिकारों को तब भली-भांति ज्ञान व बोध है किंतु उत्तरदायित्व के प्रति हम जानबूझकर अनजान बने हुए हैं यह देश के विकास के लिए उचित नहीं है इससे देश के विकास में बाधा होती है। अधिकारों तथा उत्तरदायित्व के संदर्भ में कई समितियों ने बड़ी ही नकारात्मक अनुशंसा प्रस्तुत की है जिसमें इस बात का हवाला है कि राजनीति तथा प्रशासन में सब तरफ लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद फैला हुआ है क्योंकि हमारे राजनेता शासक प्रशासक अपने अधिकारों का तो समुचित प्रयोग करते हैं किंतु उत्तरदायित्व के मामले में अपने आप को अनभिज्ञ बताते हुए जनता के सामने हाथ खड़े करके निरीह बने रहते हैं।

सरकारी सुविधाओं का उपयोग करना तो हमारा अधिकार है पर उसका रखरखाव और उससे साफ सुथरा रखना हमारा दायित्व भी है किंतु हम अपने दायित्व के प्रति आंखें बंद कर अधिकारों के लिए अंधी दौड़ में शामिल हो चुके हैं। एक संकट जैसे कि पर्यावरण संकट किसी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए नहीं है यह वैश्विक समस्या है और यदि हम इसके प्रति सजग नहीं हुए तो 1 दिन संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था पृथ्वी धरा नष्ट हो जाएगी और मनुष्य सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए पानी को तरसने लगेगा।

यह हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम सत्य निष्ठा के साथ सदाचारी बनकर नैतिकता को अपने व्यवहार में उतार कर अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कर अपने अधिकारों के साथ मूल दायित्व को भी उतनी ही गंभीरता से उपयोग में लाएं जिससे व्यक्ति समाज और राष्ट्रहित हो सके।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

प्रेरक कहानी

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के बबेरू तहसील के एक छोटे से गाँव में एक बुज़ुर्ग रहा करते थे, जिनको गाँव वाले बाबू जी कह कर पुकारा करते थे। उनका वास्तविक नाम जनाब अब्दुल सलीम खां/ मुहम्मद सलीम खां था, परन्तु द फोर्ड फाउंडेशन कोलकाता में सुरक्षा प्रहरी लेकिन शायद अनौपचारिक दीवान होने के कारण उनको गाँव वाले बाबू जी के ख़िताब से पुकारने लगे।

उनके चार पुत्र और एक पुत्री थे तथा आर्थिक कमज़ोरी के कारण इनका लालन-पालन इनके मामा के द्वारा किया गया जो गाँव के ज़मीदार हुआ करते थे। इसी कारण अंतिम पड़ाव में इन्होंने कोलकाता जाकर कंपनी ज्वाइन की, वापस आने के बाद (इस्तीफा) इन्होंने अपने बड़े लड़के की शादी कर दिया पर वो कुछ समय बाद परिवार से अलग रहने लगे और वो अपने परिवार को संभालने लगे इसलिये परिवार का भार इनके दूसरे बेटे (जनाब अब्दुल अज़ीज़ खां बरकाती) पर आ गयी। इन्होंने इंटर तक पढ़ाई की उसके उपरांत पढ़ाई को विराम दिया और इन्होंने कमाने के उद्देश्य से मुम्बई जाने का फ़ैसला लिया क्योंकि परिवार का भरण-पोषण जो करना था परन्तु किसी कारणवश न जा सके और घर वापस आ गए । काफ़ी मशक्क़त और दिक्कतों (पर्याप्त मात्रा में फसलों का पैदावार न होना) का सामना करते हुए घर का भरण पोषण चलता रहा फिर पता चला कि पुलिस विभाग में आरक्षी पद पर नौकरी निकली है तब इन्होंने इस पद पर आवेदन किया फिर बाकी प्रक्रिया होने के बाद इनका चयन आरक्षी पद पर हो गया (जिनका वेतन 180 रुपये प्रतिमाह था) जिससे काफी उत्साहित हुए घर में खुशियों को माहौल सा छा गया परंतु कुछ रिश्तेदारों को जलन भी हुई कि इतनी गरीबी थी और आज ये पुलिस में हो गये। इस प्रकार जिम्मेदारियों को समझते हुए इन्होंने अपने छोटे भाइयों को भी पढ़ाया जिसमें एक संग्रह अमीन हुये और बाकी का छोटा व्यापार चलता रहा और फ़िर ख़ुद की शादी से लेकर अपने बाकी भाई और बहन की शादी की इस प्रकार अपने फर्ज़ को अंजाम दिया तथा अब घर में काफी हद तक तंदरुस्ती दूर हो चुकी थी।

जब उन्होंने (जनाब अब्दुल अज़ीज़ खाँ) नौकरी ज्वाइन की तो प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त वेतन से चंद रूपए (80 रुपये) अपने पास रखते और बकाया राशि परिवार के लिए दे देते थे। कुछ समय बाद वेतन में वृद्धि हुई और 280 रुपये हो गयी फिर भी पहले जैसा रवैया अपनाते हुए चंद रुपए ही अपने पास रखते इस प्रकार सफ़र चलता रहा। तैनाती जिस क्षेत्र में हुई वहाँ इनको किराए से रहने हेतु एक कमरे की आवश्यकता पड़ी जिसमें इनके एक दोस्त ने अपने नज़दीकी क्षेत्र में एक कमरा दिखाया परन्तु मकान मालिक ने कहा कि पहली बात तो ये एक सिपाही है व दूसरी बात कि बाँदा जिले का है और इन दोनों कारणों से हम इनको मकान किराये हेतु नहीं दे सकते तब इनके दोस्त ने कहा कि आप यकीं जानिए कि यह सिपाही औरों जैसा नहीं है एक बार आप मेरे कहने से इनको रख कर देख लीजिए और यदि कोई समस्या आती है तो आप मुझे बताए व इनको हटा सकते हैं तब मकान मालिक तो सहमत हुए लेकिन मकान-मालकिन ने कहा कि एक-दो दिन का समय दीजिए बताते हैं। इस प्रकार अगले दिन उन्होंने उन सिपाही को रहने की अनुमति दे दी। जब ये रहने लगे तो धीरे-धीरे आपस में मेलजोल बढ़ता गया। अक्सर वो लोग देखते कि ड्यूटी करने के बावजूद भी पांचों वक़्त की नमाज़ पढ़ता है व इधर-उधर की बातों से दूर रहता है। सिपाही को तन्हाई में अक्सर रोते हुए देख एक दिन मकान मालकिन ने पूछा कि बेटा आख़िर तुम रोते क्यों हो जबकि शायद तुम्हें किसी बात की तक़लीफ़ न होगी क्योंकि नौकरी कर ही रहे हो तब सिपाही ने बताया कि हाल में ही मेरी माँ का साया मेरे सर से उठ गया और उनकी याद बहुत आती है इसलिए आँखे नम हो जाती हैं। एक बार गर्मी के मौसम में मकान मालिक के लड़के व सिपाही छत पर सो रहे थे लेकिन सुबह के वक़्त हल्की ठंड की वज़ह से सिकुड़ रहे थे उसी वक़्त मकान मालकिन का छत पर जाना हुआ तो देखा कि ठंड की वज़ह से ये हाल है तो मकान मालकिन ने अपने लड़के को चादर ओढ़ा दी और लौटने लगीं फिर ख़्याल आया कि देखो सिपाही माँ की याद करता है काश उसकी भी माँ होती तो चादर ओढ़ा देती इतना सोचते-सोचते इन्होंने सिपाही को भी चादर ओढ़ा दी और अब मकान मालिक-मालकिन इनको अपने बड़े बेटे के रूप में मानने लगे। सिपाही भी इनके हर काम में अक्सर हाँथ बटाने लगे। इस प्रकार घनिष्ठता बढ़ती गई और किरायेदार व मकान -मालिक एक परिवार की तरह रहने लगे।

अंत में काफ़ी समय बीतने के बाद अर्थात घनिष्ठता बढ़ने पर बताया कि शुरू में जब रहने के लिए हाँ कहा तो अपना स्वार्थ देखते हुए कहा कि एक सिपाही जब मेरे घर में रहने लगेगा तो जल्दी कोई हमसे कुछ उल्टा-सीधा नहीं बोल पाएगा और संक्षिप्त रूप में कहूँ तो तुम्हारे इस व्यहार (ईमानदारी, अपनेपन जैसे) से ही तुम हमारे परिवार के एक सदस्य जैसे बन गए।

अपने विभाग में भी एक ईमानदार सिपाही के रूप में प्रचलित हुए तथा ईमानदारी के साथ साथ अपना स्वभाव भी सभी के प्रति अच्छा रखते। ये शांत स्वभाव तथा अपने काम से काम रखना, खरे मिज़ाज वाले हैं जिनकी पुलिस ऑफिसर के समक्ष अच्छी छवि तथा उदारता के लिए पहचान बन गयी, यहाँ तक कि ऑफिसर भी इनकी इज़्ज़त करने लगे। पुलिस महकमे में भी रहकर नमाज़ पढ़ना नहीं छोड़ा तथा गुरु दक्षिणा (बैत) के तदोपरांत दाढ़ी भी रखे रहे लेकिन सेवानिवृत्त होने से कुछ वर्ष पहले एक अधिकारी ने दाढ़ी पर उँगली उठायी कि आपने किसकी अनुमति से दाढ़ी रखी वग़ैरह-वग़ैरह जबकि मेरी नज़र में एक प्रशासनिक अधिकारी का ऐसा व्यवहार करना अशोभनीय है क्योंकि नियम कानून तो ख़ुद ही बेहतर जानते हैं फिर भी जैसा हुआ उसके समाधान में इन सिपाही को भारतीय संविधान के कुछ अनुच्छेद व अनुमति पत्र प्रस्तुत करने पड़े लेकिन अपने उसूलों के पाबन्द रहे और विभाग में रहते हुए ही हज़ भी अदा किया। किसी की इमदाद करना अपना फर्ज समझते और अपने भाइयों को अंतिम समय तक वित्तीय मदद करते रहे तथा रिश्तेदारों को भी जितना संभव हो सकता था उतनी मदद करने के लिए तत्पर रहते थे फिलहाल अपनों के अलावा भी गैरों की मदद भी करते रहे। इन्होंने हमेशा अदृश्य रूप से मदद करना अच्छा समझा और इनका मानना रहा कि अगर रब ने नवाजा है तो जितना हो सके इमदाद करते रहे अक्सर जैसे किसी को मदद करना है तो वो कुछ काम के बहाने उसको इमदाद करते, बस खरे मिज़ाज़ की वजह से कुछ लोगों को इनकी बात रास नहीं आती थी क्योंकि जो गलत रहा उसको मुँह के सामने कहना वरना शांत रहना यही वसूल रहा। इन्हें पद का कभी भी कोई गुरूर नहीं रहा और भले ही तेज आवाज में बात करते थे लेकिन दिली मुहब्बत सभी से करते रहे परन्तु दिखावा पसंद नहीं किया।

करते हैं मोहब्बत दिल-ओ-जान से, इज़हार-ए-मोहब्बत मुझको आती नहीं, अक़्सर रहता हूँ ख़ामोश मैं, दरअसल सच बात हर किसी को रास आती नही।

ईमानदारी की वजह से अक्सर कई सिपाही और अधिकारी गण ज्यादातर काम इन्हीं को सौंपते, अधिकारी भी इनकी काफी इज़्ज़त करते थे एक बार तो कुछ सिपाहियों ने देख भी लिया तो उन्होंने क्षेत्राधिकारी से पूछा कि एक सिपाही के लिए आप अपनी कुर्सी छोड़ कर खड़े हुए हम कुछ समझे नहीं तो उन अधिकारी ने कहा छोड़ो ये सब अलग मामला है, ये भी अधिकारी पद से रिटायर हो गए। इन्होंने भी कुछ उर्दू में कविताएं (नात-ए-पाक) लिखीं। अब फिर संक्षिप्त में, इनका इकलौता लड़का और इनकी उम्मीद थी कि लड़का अभियंता बने पर वो उम्मीदों पर खरा उतर न सका पर (सफल नहीं होने का कारण शायद उसकी सोच थी) स्वभाव में सिर्फ इमदाद के मामले वैसा ही रहा।

सीख:- अपने काम के प्रति और सामाजिक जीवन में भी ईमानदारी बरतें, अगर रब ने आपको नवाजा है तो आप भी इमदाद कर सकते हैं।

अब्दुल रहमान
बांदा (उत्तर प्रदेश)

आखिर क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमज़ोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं।

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमज़ोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमज़ोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर $75 बिलियन के करीब पहुँच गया।

टैरिफ़ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ़ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ़ चेतावनी ने बाज़ार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमज़ोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाज़ार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमज़ोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निर्माताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमज़ोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमज़ोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है। 2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमज़ोर हुआ।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ। मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाज़ार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं।।

बाह्य लचीलेपन को मज़बूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मज़बूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकर्ताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते करके अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मज़बूत भंडार बनाएँ।

रिज़र्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें।

भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मज़बूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर ज़ोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मज़बूत करेगी।

डॉ सत्यवान सौरभ

ब्रजसाहित्य में देव ग्रंथावली के रचनाकार एक समर्थ महाकवि देव

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: प्रातिभ ज्ञान के परम चरम शिखर पर आरूढ़ होकर हिन्दी साहित्य ओर ब्रजभाषा में अनेक मनीषिओ ने प्रेम, भक्तिचर्या एवं आध्यात्मतत्व का विहंगावलोकन किया ओर प्रज्ञा के स्पर्श से परिमार्जित होकर अपनी अनंत अनुभूति को हमारे समक्ष प्रगट किया है जिनमें ""गागर में सागर"" भरने वाले उन मनीषिओ मे एक नाम देव कवि का भी है, जिन्हे ब्रजभाषा काव्य में महाकवि का सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। ब्रजभाषा ओर स्थानीय बोली की कारा को नवरस संचरण से एक वृहद आयाम प्रदान करने वाले देव कवि का एक नाम देवदत्त भी स्वीकारा गया है जो प्रतिभा में मतिराम, भूषण ओर बिहारी से समकालीन कवियों में इनसे बढ़कर सिद्ध कहे गए है। ब्रजभाषा के समर्थवान कवियों की लंबी श्रृंखला में एक समर्थ विलुप्तप्राय कवि देव का नाम अज्ञात रहने का कारण माना गया है कि उन्होने तत्समय के किसी भी राजदरबार से अपने संबंध नहीं रखे इसलिए उनकी ख्याति उनके समकक्ष कवियों में नही हो सकी परिणामस्वरूप हिन्दी साहित्य के इतिहास में वे पर्याप्त स्थान न मिल पाने से वे महानत्तम होते हुये भी तीन सदिया व्यतीत होने पर भी उपेक्षित रहे है। देव कवि का आविर्भाव हिन्दी के रीतिकाल में हुआ था जिन्हे लेकर हजारी प्रसाद द्विवेदी का कथन है कि "मतिराम और जसवंत सिंह के बाद यदि कोई सचमुच ही शक्तिशाली कवि और अलंकारिक कवि हुआ तो वह देव कवि थे"। छल नामक संचारी भाव इन की ही देन है। यद्यपि हिंदी साहित्य के अंतर्गत 'देव' नाम के छह-सात कवि मिलते हैं, तथापि प्रसिद्ध कवि देव को छोड़कर अन्य 'देव' नामधारी कवियों की कोई विशेष ख्याति नहीं हुई। देव के ग्रंथों की संख्या 72 और कुछ लोग 52 कहते हैं। परंतु इनके प्रामाणिक ग्रंथ, जो प्राप्त होते हैं, 18 हैं। अन्य नौ ग्रंथ भी इनके नाम से उल्लिखित हैं और इस प्रकार कुल 27 ग्रंथ इनके नाम से मिलते हैं। इसके अतिरिक्त देवकृत एक संस्कृत ग्रंथ भी 'श्रृंगांर विलासिनी' नाम से भरतपुर से प्रकाशित हुआ था। इसका विषय भी श्रृगांर और नायिकाभेद है और हिंदी छंदों की रचना इस ग्रंथ में संस्कृत भाषा होने से देव की वास्तविक प्रतिभा के दर्शन इस संस्कृत ग्रंथ से नहीं किए जा सकते है।

देव कवि के जन्म को लेकर उनके लिखे ग्रंथ "भाव विलास' 'को प्रमाण माना जाये तो उनका जन्म संवत 1746 में देवसरिया के काव्यकुब्ज द्विवेदी परिवार में इटावा में हुआ- "सुभ सत्रह से छियालिस, चढ़त सोरहीं वर्ष। कढ़ी हर्ष मुख देवता भावविलास सहर्ष॥ दिल्लीपति अबरंग के आजमशाहि सपूत, सुन्यो सराहो ग्रंथ यह अष्टयाम सयुंत॥"" ये द्यौसरिया (देवसरिया) कान्यकुब्ज द्विवेदी ब्राह्मण थे जो 'भावविलास' से स्पष्ट होता है- ""द्यौसरिया कवि देव का नगर इटावो बास। जोवन नवल सुभाव वर किन्हों भावविलास॥"" देव को अत्यधिक प्रसिद्ध करनेवाले लेखकों में कृष्णबिहारी मिश्र द्वारा "देव ओर बिहारी" पुस्तक रही जिसके बाद लाला भगवानदीन ने "बिहारी ओर देव" लिखकर बिहारी ओरदेव की काव्यप्रतिभा को स्पष्ट करने का प्रयत्न है हिन्दी साहित्य में इन्हे एक पहचान दी। देव कि एक रचना 'अष्टयाम' ओरंगजेब के पुत्र आजमशाह के लिए उनके आश्रय पर होने से उनके द्वारा पुरस्कृत हुई वही 'भावविलास' भी आजमशाह के आश्रय में लिखा जाना कुछेक द्वारा माना गया है। देव को उनके लेखन के लिए दादरीपति राजा सीताराम के भतीजे भवानीदत्त वैश्य आश्रयदाता कहे गए है जिनके लिए देव ने 'भवानीविलास' नामक ग्रंथ लिखा। फफूँद के रहनेवाले कुशलसिंह का आश्रय मिलने पर देव ने इनके लिए 'कुशलविलास' नामक ग्रंथ लिखा। राजा भोगीलाल का आश्रय मिलने पर देव ने उनके लिए 'रसविलास' नामक ग्रंथ की रचना कर देव ने अपने रसविलास में लिखा है- ""भोगीलाल भूप लख पाखर लिवैया जिन, लाखन खरचि रुचि आखर खरीदे हैं।" आगे लिखा गया है कि – "परम सुजान सुजान की, कृपा देव कवि हर्ष। कियो सुजान विनोद को, रचन वचन वसु वर्षि॥"" वही "कुशल विलास" में देव व्यक्त करते है कि – "देव विभव रस भाव रस भव रस नव रस सार। सुख रस वसु वर बरस सुभ बरस रच्योय श्रृंगार ॥" साहित्य का सागर अपार है जिसका ओर छोर पाना लोहे के चने चवाने जैसा है। भोगीलाल को समर्पित इस रासविलास के अंतिम दोहे में – "यहि विधि दरशन श्रवण करि सुमरे विधि हरि रुद्र। पार लहत को बरनि के या साहित्य समुद्र। अपनी बुद्धि समान मैं बरनि कहो रससारि, रसविलास रस रूप नृप भोगीलाल उदार॥"" देव की एक कृति 'प्रेमचंद्रिका' राव मर्दनसिंह के पुत्र उद्योतसिंह को तथा एक अन्य कृति 'सुजानविनोद' दिल्ली के सुजानमणि के लिए लिखी गई तथा अंतिम रचना 'सुखसागर तरंग' पिहानी के राजा अली अकबर खाँ के आश्रय में लिखी मानी गई किन्तु यह सब लिखने के बाद भी उनकी रचनाए बिलुप्तप्राय: रही है।

देव के नाम से देवग्रंथावली पक्ष को लक्ष्मीधर मालवीय ने विस्तार से वर्णन कर देव कवि के वृहद छंद ग्रन्थों की प्रामाणिकता को नया स्वरूप देकर प्रयाग विश्वविध्यालय से डी॰ फिल॰ की उपाधि प्राप्त की। अपने शोध देवग्रंथावली (लक्षण ग्रंथ) के पूर्व लक्ष्मीधर मालवीय ने डॉ॰ माताप्रसाद गुप्त, डॉ॰ रामकुमारवर्मा, पंडित उमाशंकर शुक्ल, डॉ॰ जगदीशगुप्त, डॉ॰ पारसनाथ तिवारी के अलावा इस पोथी ग्रंथ को पूर्ण करने के लिए डॉ॰ हजारीप्रसाद द्विवेदी से हस्तलिखित पोथिया प्राप्त की ओर सभी के साथ डॉ॰ राजवली पाण्डे का मार्गदर्शन ओर सहायता भी ली जिसमें ओर भी विद्वान शामिल रहे थे जिस कारण यह वृहद देवग्रंथ 7 लक्षणों से युक्त प्रकाश में आ सका। देव कवि की लिखी यह कृति देवकृत ग्रंथावली के नाम से है ओर उसमें प्रथम खंड काव्य रसायन में 693 छंद, कुशलविलास में 306 छंद, भवानी विलास में 384 छंद, भावविलास में 417 छंद, रसविलास में 466 छंद, सुजानविनोद में 256 छंद एवं सुमिल विनोद में 277 छंद इस तरह कुल 2899 छंद देव कवि द्वारा इन सात ग्रन्थों में आए है वही इनके लिखे ग्रंथ में मुख्य महत्वपूर्ण संस्करण में 'सुख सागर तरंग' का नाम भी आता है । यहाँ यह बात स्पष्ट करना उचित समझता हूँ की देव के आलोच्य ग्रन्थों में छंद प्रतीकों की सूची का विश्लेषण करने पर यह रोचकता भी दृष्टिगत होती है कि इन छंदों कि तुलनात्मक स्थिति में जहां कुल 2899 छंदों का उल्लेख मिलता है वही पर इनमें 1554 छंद अन्यत्र देखने को नहीं मिलते ओर 1345 छंदों का एक से अधिक स्थान पर देखे गए है, यह अभूतपूर्व बात है। जो छंद एक से अधिक जगह है जिनमें कुछ समान छंद दूसरे अन्य कवियों द्वारा भी रचे होने से अनेक छंदों में कही- कही संशय भी होना स्वीकारा है। देव कवि द्वारा रस, अलंकार, पिंगल, नायिका भेद का निरूपण विस्तार से किया गया है वही भाव विलास में श्रृंगार रस के साथ साथ नायक ओर नायिकाओं में भेद किया है वही रस विलास मुख्यत नायिका भेद का ग्रंथ है तो काव्य रसायन में इन विषयों को अतिरिक्त शब्दों का अलंकृत किया है।

ब्रजभाषा के कविगण पाठकों को प्रभावित करते रहे है ओर ब्रजभाषा की शैली एक सी होने से किसी ग्रंथ ओर उनकी रचनाओं को एक कवि की मानना किसी खतरे से खाली नही है ओर ऐसा ही देव कवि ओर देवकीनंदन की एक सी भाषा शैली के कारण अनेक स्थानों पर प्रामाणिकता को लेकर अनिर्णय की स्थिति बनी गई है ओर किसी ने देव कवि को लक्ष करते हुये लिखा भी की "देव गए भए देवकीनन्दन" फिर भी लेखकों के मतांतर में यह भी बात सामने आती है कि "भाषा का प्रमाण केवल सहायक प्रमाण माना जा सकता है।" यही भाषा के आधार पर ""रागरत्नाकर"" को देवकृत ग्रंथ मानने के कारण डॉ॰ नगेन्द्र भ्रमित हो चुके थे ओर "देव ओर उनकी कविता" में प्रसिद्ध देव कवि से भिन्न देव नामधारी एक अन्य कवि का उल्लेख करके सन 1906 में उनका एक ही ग्रंथ ""रागमाला"" का अनुशीलन करते है जबकि रागरत्नाकर ओर रागमाला एक ही ग्रंथ के दो नाम उजागर होते है जो किसी अन्य देव कवि की रचनाए थी जिसका इन देव कवि की आलोच्य रचना समझना डॉ॰ नगेन्द्र का भ्रम रहा। इस बात की प्रामाणिकता के लिए डॉ॰ नगेन्द्र द्वारा अपने शब्दों में देव ग्रंथावली की व्याख्या किए जाने हेतु "भावविलास" के संवत 1746 में इस ग्रंथ की रचना का मत देना तहा संवत 1730 में कवि का जन्म ओर ग्रन्थों का क्रम निश्चित करने के अलावा "रसविलास" की अपूर्ण प्रतिलिपि में देव कवि द्वारा देशव्यापी यात्रा के दरम्यान "जाति विलास" की रचना तर्क देना तत्समय के विद्वानों द्वारा अमान्य कर दिया गया था ओर अधिकांश का मत था कि देव के ग्रन्थों का रचनाक्रम का समय बतलाना असंभव सा है।

अध्ययन से एक बात सामने आई है कि जिन छंदों का अनेक स्थानों पर प्रयोग की बात आई है उसमें देव द्वारा अपने विभिन्न ग्रन्थों का संकलन करते समय "सुख सागर तरंग" का लेखन जारी रखा गया ओर अपने अनेक स्फुट छंदों को लिखने के बाद जिस ग्रंथ में उसे संकलित करना है उसके लिए वे उन्हे सुनियोजित कर स्वयं के लिए उन्हें सुगम ओर व्यावहारिक मानते हुये उन छंदो को वहाँ स्थान देते रहे जिससे उनके लिखे एक समान से अनेक छंद बहुआयत प्रयोग में प्राप्त होने से शोध में आ सके, जिन्हें लेकर उपरोक्त धारणाए पुस्त होती रही तो वही कुछेक छंद उनके तीन ग्रंथों में प्रयोग को लेकर कुछ उसे एक ही स्थल पर पाठ विकृति मान बैठे तो कुछ एक कवि के आदेश पर उनके शिष्यों द्वारा अथवा लिपिकर द्वारा लिपिबद्ध करते समय उन छंदों को शामिल होना स्वीकारते है। देव कवि के विषय में यह बात इसलिए महत्वपूर्ण हो गई है क्योकि मध्ययुग के अनेक कवियों के ग्रन्थों के छंदों में एक दूसरे ग्रंथ में समानता ओर अर्थों में संदेश एक ही हुआ करता था जबकि देव कवि इससे अछूते रहे हो यह दावा तो नहीं किया जा सकता किन्तु उनके छंदों के ग्रन्थों में उनका एकाधिकार अन्य कवियों के समान रहा है इसलिए किसी निष्कर्ष पर जाने से पहले यह गंभीर ओर आवश्यक है कि देव कवि के इन महत्वपूर्ण ग्रन्थों के छंदो के रहस्यों कि विशेषताओं का आनंद लेने के कुछ ग्रंथ कृतियों के छंदो में ""भावविलास " को देखा जाये तो –" ग्वालि गई इक हयो कि उहाँ मधि रोकि सु तौ मिसु कै दधिदान कौ। वो तो भटू बहि भेंटी भुजा भरि नातों निकासि कछु पहचानि कौ। आई निछावरि कै मन मानिक गौ रस दै रस ले अधरानि कौ। वाहि दिना से हिये मैं गडौ वह ढीठ बड़ौ री बड़ी अखियानि कौ॥" इस छंद में कही भी नेत्र संचालन या चल चितवन का इशारा नही किया गया है ओर नेत्रों से संबन्धित शब्द केवल अंतिम चरण में नायक को ढीठ कि उपमा देकर किसी प्रकार के नेत्रों के कार्य व्यवहार का उल्लेख नही होने से माध्यम श्रेणी में रखकर इस छंद से ओर बेहतर छंद को देखा जा सकता है जिसमे नेत्र संचालन कि प्रमुखता के साथ मुख मोड़ने, हेरने आदि को व्यक्त किया गया है– ""हरि को इत हेरत हेरि उते उर आलिन के उर सौ परसै। तन तौरि कै जोरि मरोरि भुजा मुख मौरि के बैन कहे सरसै॥ मिस सौं मुसक्याइ चितै समुहे कवि देव दरादर सौ बरसै। दृगकोर कटाक्ष लगे सरसान मनों सर सान धरे बरसै॥"" देव का यह छंद "सुजान विनोद"" तथा ""भवानी विलास"" में प्रयुक्त किया गया है जिसमें स्वप्न दर्शन किए जा सकते है – "सुंदरी सोवति मंदिर मैं काहु सापने मैं निरख्यों नन्दनन्द सो। त्यों पुलक्यों जल सौं झलक्यों उर ओचक ही उचकयों कुच कंदु सौ। तौ लगी चौकि परी कहि देव सु जानि परयो अभिलाष अभन्द सौ। आलिन को मुख देखत ही मुख भावति को भयो भोर को चंद सौं॥

देव के ग्रन्थों में गुणदोषों का सांगोपाग वर्णन भी देखने को मिलता है जिसमें गुणों के अतिरिक्त स्वभाव कथन का प्रभाव ज्यादा रहा है ओर शब्द प्रयोग में छंद लालित्य होने से उनके गुणों को श्रेष्ठतम माना गया है– "सखी के सकोच गुर सोच मृगलोचनि रि- सानी पिय सौं जु उन नेकुईसि छुयो गात, देव वै सुभाय मुसुकाय उठि गए यहि, सिसिकि सिसिकि निसि खोई रोय पायो प्रात। को जाने री वीर बिनु बिरही विरह-विधा, हाय हाय करि पछिताय न कछु सोहात। बड़े बड़े नैनन सों आँसू भरि भरि ढरि, गोरो-गोरो मुख आजू ऑरो सो बिलानों जात॥ यह छंद अदभूत है जिसमें जुगुप्सा ओर श्रृंगार रस का संचार ओर विरोध नायक ओर नायिका के कर्म में पूर्ण उपमाये दिखाई देते है तथा उपमान में थोड़ा सा गाल छूने से क्रोध करने का भाव नायिका का मुग्धा तत्व प्रकट करता है ओर नायक अच्छे भाव से मुस्कुरा के उठ जाता है। स्पष्ट है निसि खोने ओर प्रात पाने में खोने या पाने जैसा पदार्थ नही किन्तु लक्षण का पूर्ण अलंकार ओर "नेकु हंसी छुयो गात" में रति का स्थायी भाव विद्वानों ने माना है इसलिए इस छंद में पूर्ण श्रृंगार रस होना कहा है। देव कवि के इस छंद को प्रिय दर्शन के लिए प्रयोग किया गया है कि– "संग न सहेली केलि करत अकेली एक कोमल नवेली वर बेली जैसी हेम की। लालच भरे से लखि लाल चलि आए सोचि लोचन लचाय रही रासि कुल नेम की। देव मुरझाई उरमाल उरझाई बात पुंछी छल छेम की। "देव के बहुसंख्यक ग्रंथों में प्रेम, श्रृंगार की उच्चतम धारणा के साथ उनके वैचारिक भावों की उदात्तता उज्वल दिखती है वही पर काव्यशास्त्रीय विवेचन भी, इनके ग्रंथों में है, भले प्रसिद्धि के शिखर पर नहीं है किन्तु आज भी उनकी सुंदर रचनाओं में सवैया ओर धनाक्षरी उनके व्यापक अनुभव से सिंचित होने से सजीव ओर मर्मस्पर्शी एवं असाधारण है जिनका प्रकाशित पक्ष रूप, सौंदर्य, वस्तु चरित्र के दुर्लभ चित्रण के रहस्य से पाठकों को आत्मविभोर कर देव से परिचय भी कराएगा, ताकि आप उनके छंदो से जब परिचित होगे तब अवश्य ही मानिएगा की देव को हिन्दी साहित्य में उत्कृष्ट स्थान ओर सम्मान प्रदान करेंगे जिससे वे अब तक वंचित है।

आत्माराम यादव

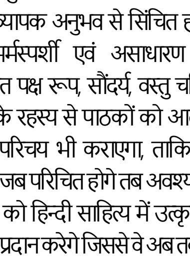

विश्व में सर्वाधिक बोले जाने वाली तीसरी भाषा है हिंदी

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: भाषा अभिव्यक्ति का सहज माध्यम है। भाषा दो व्यक्तियों, समुदायों और देशों के बीच परस्पर संपर्क-संवाद का सुगम सेतु है। भाषा व्यक्ति की पहचान है तो राष्ट्र का गर्व, गौरव और अस्मिता भी। बिन भाषा के व्यक्ति मूक है और राष्ट्र गूंगा है। भाषा है तो व्यापार है, जीवन के तमाम व्यवहार हैं और आदर-सत्कार भी। भाषा संबंध जोड़ती और रिश्ते गढ़ती है। भाषा निर्झर निर्मल नीर है तो हृदय की वेदना, कसक, पीर भी। भाषा है तो जीवन है और जीवन के इंद्रधनुषी रंग भी। खुशी की बात है कि भारत भाषाओं के मामले में समृद्ध है। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम अनेकानेक भाषाएं अपनी रचनात्मकता से मां भारती का अर्चन-स्तवन कर रही हैं। यहां किसी भाषा का किसी से बैर भाव नहीं, वह परस्पर सखी-सहेली हैं। हिंदी भले ही संपूर्ण भारत में न बोली जाती हो पर समझी अवश्य जाती है। हिंदी राष्ट्रभाषा भले ही न हो किंतु राजकाज की भाषा है। 10 राज्यों ने हिंदी को आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया है जिनमें बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली आदि राज्य हैं। गुजरात, पश्चिम बंगाल और मिजोरम राज्यों में हिंदी द्वितीय राजाभाषा के रूप में समादृत है। वैश्वीकरण के दौर में हिंदी विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिंदी के प्रचार-प्रसार में 150 से अधिक संस्थाएं देश-विदेश में सक्रिय एवं साधनारत हैं। इस श्रृंखला में विश्व हिंदी सम्मेलन जैसे जागतिक आयोजन का स्मरण स्वाभाविक है जिसके करण 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाना आरम्भ हुआ है।

विश्व में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार हेतु जन जागरूकता उत्पन्न करने तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी को प्रस्तुत करने हेतु सर्वप्रथम 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। आयोजन में 30 देशों से 122 से अधिक हिंदी प्रेमी प्रतिनिधि सम्मिलित हो हिंदी के प्रचार-प्रसार की नीति बना आगे बढ़े थे। विश्व हिंदी सम्मेलन का सचिवालय मॉरीशस में स्थापित किया गया है ताकि विश्व में कार्यरत हिंदी प्रचार संस्थाओं से बराबर संपर्क-संवाद और सूचनाओं का आदान-प्रदान बना रहे। भारत के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की घोषणा से विश्व हिंदी दिवस पहली बार 2006 में मनाया गया। नार्वे स्थित भारतीय दूतावास ऐसा आयोजन करने वाला पहला दूतावास बना। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के विभिन्न कार्यालयों, संस्थाओं एवं भारतीय दूतावासों में व्याख्यानमाला, प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन, क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आज 150 से

अधिक देशों में भारतवंशी हैं जहां हिंदी बोली जा रही है। 75 से अधिक देशों के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों एवं स्कूलों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। वर्ल्ड लैंग्वेज डाटाबेस द्वारा 2022 में प्रकाशित 'एथेनोलॉग' के 25वें संस्करण के अनुसार अंग्रेजी और चीना भाषा के बाद हिंदी विश्व में सर्वाधिक बोले जाने वाली तीसरी भाषा है। दक्षिण अफ्रीका में हिंदी संविधान द्वारा संरक्षित भाषा है।

हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस आयोजन के संदर्भ में पाठक भ्रमित हो सकते हैं। इस संदर्भ में निवेदन है कि 14 सितंबर, 1949 को अनुच्छेद 343 अंतर्गत हिंदी भाषा को संविधान सभा द्वारा देवनागरी लिपि के साथ भारत की आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया था। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की स्मृति हेतु प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। सर्वप्रथम 14 सितंबर, 1953 को हिंदी दिवस मनाया गया। वहीं विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है जो एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन है। इस आयोजन की एक थीम निश्चित की जाती है। 2024 की थीम थी 'हिंदी का पारंपरिक ज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' जबकि वर्ष 2025 की थीम है - हिंदी : एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज़। हिंदी के बढ़ते प्रभाव का ही परिणाम है कि 2019 में आबू धाबी ने हिंदी को न्यायालय की तीसरी भाषा के रूप में मान्यता दी है तथा ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने बहुत सारे हिंदी शब्दों को अपने नवीन संस्करण में स्थान दिया है जो हिंदी के बढ़ते प्रभाव का संकेत है। 1977 में विदेश मंत्री तथा 2002 में प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेई जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया था। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपने विदेश प्रवास में विभिन्न संसदों, सरकारी कार्यक्रमों तथा भारतीय समुदाय को हिंदी में ही सम्बोधित करते हैं। उल्लेखनीय है कि विदेश में बसे भारतीय मूल के दो करोड़ भारतवंशी हिंदी माध्यम से कार्य संपादित करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी, चीनी, स्पेनिश और अरबी को आधिकारिक दर्जा प्राप्त है, बावजूद इसके संयुक्त राष्ट्र कार्यालय द्वारा प्रति सप्ताह महत्वपूर्ण सूचनाओं का एक पत्रक हिंदी में प्रकाशित किया जाता हैं। ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, श्रीलंका द्वारा रेडियों पर हिंदी में कार्यक्रम एवं समाचार प्रसारित किये जा रहे हैं।

इंटरनेट के युग में विश्व एक गांव के रूप में उभरा है। परस्पर संवाद के लिए हिंदी एक सहज माध्यम बनी है। कहा जा रहा है की तेजी से बदलते इस संचार युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में केवल 8-10 भाषाएं ही बचेंगी जिसमें हिंदी प्रमुख होगी। आज हिंदी की आवश्यकता संपूर्ण विश्व महसूस कर रहा है क्योंकि भारत एक बहुत बड़ी जनसंख्या वाला देश है। इसलिए पूरी दुनिया की बहुराष्ट्रीय कंपनियां एवं व्यापारिक संस्थाएं भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हुए अपने कर्मचारियों को हिंदी सीखने को प्रेरित एवं प्रशिक्षित कर रही हैं, साथ ही विज्ञापन की भाषा भी हिंदी दिखाई पड़ने लगी है। हिंदी दिनों दिन समृद्ध हो रही है क्योंकि विभिन्न भाषाओं के जरूरी शब्द हिंदी उदार मन से न केवल स्वीकार कर रही है बल्कि दैनंदिन कार्य-व्यवहार में उपयोग भी कर रही है। आकाशवाणी केन्द्रों एवं टीवी चैनलों के विविध मनोरंजक कार्यक्रमों द्वारा विश्व के अनेक देशों तक हिंदी पहुंच और पसन्द की जा रही है। हिंदी फिल्में भी विदेश में देखी-सराही जा रही हैं। फिजी, गुयाना, सूरीनाम, टोबैगो, ट्रिनिडाड और अरब अमीरात में हिंदी को आधिकारिक रूप से अल्पसंख्यक भाषा का दर्जा प्राप्त है। अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, नार्वे, कनाडा आदि अन्यान्य देशों में 25 से अधिक पत्र-पत्रिकाएं हिंदी में निकल रही हैं और हिंदी में रेडियो कार्यक्रम संचालित होते हैं। विश्व हिंदी दिवस के अवसर हम हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प ले हिंदी को समृद्ध एवं सुदृढ वैश्विक आधार प्रदान करें, यही कामना और अपेक्षा है।

प्रमोद दीक्षित मलय
लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं। बांदा (उ.प्र.)

पुलिस ने बड़ी डकैती की साजिश को नाकाम किया

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (रानीगंज): पुलिस ने पिछले 4 जनवरी की रात हुए डकैती की साजिश के मामले में फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई रानीगंज थाने के इंस्पेक्टर बिकाश दत्ता और पीसी पार्टी के इमदादुल हक के नेतृत्व में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी को शिशु बागान स्टेडियम के पास छिपे हुए हैं। इसके बाद अचानक की गई कार्रवाई में पुलिस ने दोनों आरोपियों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में 37 वर्षीय इमरान खान उर्फ कल्लू, जो रानीगंज के धबी मोहल्ले का निवासी है, और 25 वर्षीय एमडी जुबेर, जो रोनाई के मजार शरीफ इलाके का रहने वाला है, शामिल हैं।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया।

पुलिस के अनुसार, इन दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से ही रानीगंज थाने में कई आपराधिक मामलों में शामिल होने के आरोप दर्ज हैं। दोनों कई बार अपराध में संलिप्त पाए गए हैं। इस बार पुलिस ने बड़ी डकैती की योजना को अंजाम देने से पहले ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया, जिससे एक बड़ी घटना को रोकने में सफलता मिली।

वक्त गुरु सन्त उमाकान्त जी ने बताया इस नए वर्ष में बीमारियां ज़्यादा आएंगी

आने वाली बीमारियों से बचने के लिए शुद्ध और लिमिट में चीज़ें खाओ- बाबा उमाकान्त जी महाराज

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (उज्जैन): विश्व विख्यात निजधामवासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, वक्त गुरु परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने उज्जैन आश्रम पर नव वर्ष के अवसर पर दिए सतसंग संदेश में बताया कि ये पीलिया, लकवा, चिकनगुनिया, हार्ट अटैक जैसी बीमारियां इस वर्ष ज़्यादा आएंगी। नई-नई बीमारियां इस वर्ष आएंगी। वर्ष 2024 के लिए भी बाबा जी ने 31 दिसम्बर 2023 को उज्जैन आश्रम पर दिए सतसंग में बताया था, कि 2023 से ज्यादा बीमारियां 2024 में आयेंगी, जो सत्य हुआ।

सर्दी, ज़ुकाम, बुखार ही विकराल रूप ले लेगा

संयम और नियम का पालन नहीं करने से ये बीमारियों का असर ज्यादा हो जाता है। बीमारियां तो आएंगी ही। जिन बीमारियों को लोग आज सामान्य समझते हैं, जैसे सर्दी, ज़ुकाम, बुखार, आदि यही बड़ा रूप ले लेगा। हल्का बुखार, ज्यादा हो जाएगा। जब ज़ुकाम बढ़ जायेगा, सांस लेना मुश्किल हो जाएगा। तब सांस लेने में मुश्किल हो जाएगी। इसलिए जो जितना शरीर से, ठंडी, गर्मी, मौसम के अचानक बदलावों को बर्दाश्त कर पाओ, तो करना। बाकी बचे रहना।

इन बीमारियों से कैसे बचाव होगा?

जैसा वातावरण होता है, उसी व्यवस्था के अनुसार सभी को चलना होता है। जब आप इसी समाज में रहते हुए, इन चिकनी - चुपड़ी चीज़ों से परहेज़ करेंगे, तो इन बीमारियों से बचेंगे। लीवर में जब चिकनाहट ज़्यादा हो जाती है, तब पीलिया होता है। अधिक चिकनाहट से जब नली ब्लॉक हुई, और हार्ट अटैक हो गया। मीठी चीजों का प्रचलन आज बहुत बढ़ गया। हर चीज में लोग मीठा खाने लगे। पहले लोग गुड़ का सेवन करते थे, जो गुणकारी होता था। अब शुगर लोगों का बढ़ने लगा। जिसको मीठा अर्थात शुगर कहते हैं, यही शरीर का शुगर का स्तर बिगाड़ने लगी। इसलिए इस मिलावट के दौर में अपने बुद्धि और विवेक का इस्तेमाल करते हुए, शुद्ध चीजों को संयम और नियम का पालन करते हुए सेवन करने से बचाव होगा।

पदुम्बासन हराधन प्राइमरी में अभिनव फूड फेस्टिवल, लोगों ने चखा व्यंजनों का स्वाद

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (खड़गपुर/ तमलुक): विभिन्न फल, तले हुए चावल, पनीर, आलू परांठे, छोले, वेलपुरी, पास्ता, सूजी, अंडा रहित केक, पेटिसपता, मसाला मुदरी आदि और ना जाने कितने ही व्यंजन। ये व्यंजन छात्र सप्ताह के अवसर पर ताम्रलिप्त नगर पालिका के तमलुक उत्तर चक्र में पदुंबसन हराधन प्राथमिक विद्यालय में आयोजित खाद्य उत्सव में पाए गए। इसे लेकर उत्साह और आनंद का अद्भुत मिश्रण देखा गया।

वर्तमान में विद्यालय में विद्यार्थियों की कुल संख्या 193 है। जिला प्राथमिक विद्यालय संगसड एवं संपूर्ण शिक्षा मिशन के निर्देशन में

जिले भर में विद्यार्थी सप्ताह मनाया जा रहा है। स्कूल के शिक्षक कृष्णा बेरा धारा, पुतुल पाखिरा माईती, पापिया पाल जाना, शिवानी मालाकार मंडल ने बताया कि साल की शुरुआत से ही स्कूल में छात्र सप्ताह अलग-अलग तरीके से मनाया जा रहा है। पहला दिन पुस्तक दिवस था। उस दिन नए विद्यार्थियों का स्वागत फूल, चंदन और शंख बजाकर किया गया। अन्य दिनों में गायन, नृत्य, कविता पाठ, वाचन उत्सव, अभिभावक बैठक, पेंटिंग, सफाई अभियान आदि शामिल रहा। वहीं आखिरी दिन फैंसी फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।

असीम पात्रा, अराध्या बेरा, प्रत्यूष चौधरी, प्रेरणा बेरा, देबर्चना दुआरी घर से तरह-तरह का खाना लेकर आए। खुद उन्होंने इसे बेचा। अन्य छात्रों ने खरीदा। स्कूल के अंदर विभिन्न खाद्य दुकानों के साथ एक फैंसी बाजार जैसा माहौल बन गया। रियात्री पाखर, मोहम्मद अनस, रुकसाद खातून, रिया बेरा, पौलमी रुईदास आदि के व्यंजन कुछ ही घंटों में बिक गए। इस दिन कुल 84 छात्रों ने फूड स्टॉल लगाए।

स्कूल की शिक्षिका तमसा दास मेटिया, शंपा बेरा दास, मधुमिता चौधरी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना है। इसके माध्यम से सह-शिक्षा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक भास्करब्रत पति ने कहा कि अगले वर्ष इसे बड़े पैमाने पर करने की योजना बनायी जायेगी।

विकास मिश्र, कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (नई दिल्ली): कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद संस्था के संस्थापक द्वय मुकेश पटेल और गोविंद गुप्ता ने विकास मिश्र को उनके हिंदी साहित्य और समाजसेवा के प्रति समर्पण भाव देखते हुए परिषद का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। युवा कवि और पत्रकार विकास मिश्र नटोली कलां, सुल्तानपुर हाल दिल्ली को संस्था का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किए जाने पर शुभचिंतकों एवं परिजनों ने उन्हें बधाई दी

है। आशु कवि विकास मिश्र अखिल भारतीय काव्य मंच संस्था के सचिव, एवं प्रवक्ता के साथ मीडिया प्रभारी भी है।

प्रिया के उपलब्धि पर ग्रामीणों मे हर्ष व्याप्त

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): राजगंज/ डोमनपुर के साधारण किसान राजेन्द्र रवानी व गुड़िया देवी की बेटी प्रिया कुमारी ने अपने अथक मेहनत के बल पर केन्द्रीय औधोगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में चयन हुए हैं। इसको लेकर राजगंज इलाके मे खुशी की लहर हैं. प्रिया नये पढने वाले छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गयी है। गुरुवार को धनबाद जिला के भाजपा मिडिया प्रभारी नीलकंठ रवानी प्रिया के घर पहुँचकर अंग वस्त्र, माला व मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएँ दी। नीलकंठ रवानी ने कहा कि प्रिया के इस उपलब्धि पर ग्रामीणों मे काफी हर्ष व्याप्त हैं।

मौके पर प्रगति कोचिंग सेंटर के संस्थापक शुभम रवानी, रुनिया देवी, सावित्री देवी, गणेश रवानी, कृपाशंकर महतो, अभिषेक रवानी ने बधाई व शुभकामनाएँ देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उमंग- 2025 में दूसरे दिन भी एनसीइ की टीम का शानदार प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (पटना): गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बक्सर में चल रहे वार्षिक खेल महोत्सव "उमंग -2025" के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रदर्शन किया। महिला खिलाडियों के टीमों ने अपने कौशल और मेहनत से वॉलीबॉल और कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं पुरुष वर्ग में वॉलीबॉल टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री निखिल निगम ने टेबल टेनिस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। खिलाड़ियों और प्रतिभागियों के उत्साह ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया है। उमंग - 2025 का यह दूसरा दिन टीम भावना, खेल कौशल और प्रतिस्पर्धा का प्रतीक बना। आयोजन समिति द्वारा अगले दिनों में और भी रोमांचक खेल मुकाबलों का आयोजन किया जाएगा।

ईसीआरकेयू कर्मचारी हित मे काम और संगठन को मजबूत करने के लिए हुई बैठक

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (धनबाद): ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन ईसीआरकेयू का एक बैठक धनबाद हिल कॉलोनी स्थित शाखा दो कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक का अध्यक्षता शाखा के अध्यक्ष एन के खवास द्वारा किया गया जबकि इस बैठक में केंद्रीय अपार महामंत्री मोहम्मद जियाउद्दीन और केंद्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष के उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें धनबाद के तीनों शाखा धनबाद शाखा एक धनबाद शाखा दो और धनबाद लाइन शाखाके पदाधिकारी ने भाग लिए इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कर्मचारियों का हित में काम करना। उपस्थित दोनों केंद्रीय पदाधिकारी ने बताया कि हम लोगों को इस समय को एक अवसर के रूप में लेना है और कर्मचारियों के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान और ज्यादा काम कर सकेंगे एवं इसके लिए ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन एवं ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के दिशा निर्देश पर समय-समय पर धरना प्रदर्शन करते रहेंगे इस बैठक कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा किया गया साथ ही साथ कर्मचारियों को यह आश्वासन भी दिया गया की जिस तरह से यूनियन पहले काम कर रहा था काम करते रहेगा

इस बैठक मे कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा किया गया साथ ही साथ कर्मचारियों को यह आश्वासन भी दिया गया की जिस तरह से यूनियन पहले काम कर रहा था काम करते रहेगा।

आज का इस बैठक में मोहम्मद जियाउद्दीन, नेताजी सुभाष, एन के खवास के अलावे एके दा, सुदर्शन महतो, एक के दास, भानु प्रकाश, बीबी आजाद, रंजीत कुमार, रविन्द्र रवानी, जागेश्वर यादव और शंभू नाथ राम उपस्थित थे.

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (निरसा): एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत भवन में सरकार के निर्देशानुसार ईसीएल द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में 2 सप्ताह से अधिक दिनों से खांसी, शरीर में कमजोरी, थकावट, शुगर, बुखार या अन्य प्रकार के रोगो की जांच की गई. ईसीएल के चिकित्सक ने एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत में मुफ्त जांच शिविर में मरीजो के स्वास्थ्य की जांच की. शिविर में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने अपना मुफ्त में स्वास्थ्य जांच कराया एवं दवाइयां ली. शिविर में मुख्य रूप से मुखिया अजय कुमार राम, वार्ड सदस्य बप्पा गोस्वामी, मधुसूदन बाउरी, ममता बाउरी, मनोज राम, दिया कुमारी, मनोज राजवंशी, पूजा देवी मौजूद थी। साथ ही पंचायत भवन से ठंड को देखते हुए प्रखंड द्वारा मिली कंबल का भी वितरण किया गया।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने दिल्ली चुनाव को ले बैठक किया

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (पांडवेश्वर): दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार प्रसार का दौर शुरू हो गया है, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री भारत सरकार सतीश चन्द्र दुबे चुनाव को लेकर लगातार संगठनात्मक बैठक के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके दिल्ली विधानसभा चुनाव जोश ख़रोश के साथ लड़ने और दस वर्ष को आपदा सरकार को उखाड़ फेंकने की रणनीति बता रहे है, इसी क्रम में सोनिया विहार, दिल्ली में स्थानीय कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, और कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए उनकी संगठनात्मक प्रतिबद्धता के प्रदर्शन का चुनाव है, दिल्ली का भविष्य संवारने और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पनाओं को जन जन से जोडने का अभूतपूर्व अवसर है, हम मिल कर दिल्ली से आप–दा को मिटाएंगे, इस अवसर पर विधायक मोहन सिंह बिष्ट व विधायक नन्द किशोर गुर्जर भी उपस्थित थे.

स्वर-आवृत्ति के वार्षिक सांस्कृतिकोत्सव "उत्सारित आलो" में दिखा संस्कृति का उजास

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (खड़गपुर/ तमलुक): मेदिनीपुर के शहीद प्रद्योत मेमोरियल हॉल में, सांस्कृतिक संस्था' स्वर-आवृत्ति मेदिनीपुर ने उत्सारित आलो" के जरिए कला व संस्कृति के प्रखर रुप को रेखांकित किया। मातृभाषा में गायन 'उत्सरित आलो' का प्रदर्शन दर्शकों व श्रोताओं के मन को मंत्र मुग्ध कर गया। करीब सात घंटे तक चले सस्वर पाठ के कार्यक्रम ने मेदिनीपुरवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मेदिनीपुर के विधायक सुजॉय हाजरा उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान मंच पर स्कूल निरीक्षक सौमेन घोष, कवि चंदन नाथ, अमिय पाल, मालविका पाल, विशाखा मुखोपाध्याय, कवि चंदन नाथ और गौतम मंडल आदि मौजूद थे। गायन वादन कलाकारों ने

विभिन्न विषयों पर गायन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विशाखा मुखोपाध्याय ने स्वयं कहा, "मैं सस्वर पाठ के ऐसे प्रयोगात्मक विचारों से रोमांचित हूं। मैं समझती हूं कि इतने प्रयास से सस्वर पाठ सिखाना कितना कठिन है।"

संस्था के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का अनोखा निमंत्रण दिया, हम पत्र लिखना लगभग भूल ही गये। क्या यह व्हाट्सएप और ट्विटर के युग में फिर से एक पत्र? लेकिन कभी यह पत्र संचार का माध्यम था, यह सोचने का विषय है कि आज के कितने बच्चों ने अंतर्देशीय पोस्टकार्ड देखे हैं। प्रत्येक छात्र ने अपने दूर-दराज के रिश्तेदारों को नए साल की शुभकामनाएँ देते हुए अपने गायन स्कूल की वार्षिक सांस्कृतिक संध्या में आमंत्रित किया।

समारोह में कवि चंदन नाथ ने सस्वर पाठ डायरी के दूसरे संस्करण का लोकार्पण किया। डॉ. सुहास रंजन मंडल ने विष्णुपद कुईला की कविता "श्रुति मधुर" के सस्वर पाठ एल्बम का उद्घाटन किया। कवि विष्णुपद कुईला स्वयं समारोह में उपस्थित थे। इस जिले के कुछ प्रसिद्ध सांस्कृतिक समूह छंदम संगीत महाविद्यालय, जागरी संगीत निकेतन, नृत्यांजलि, नटराज संगीत महाविद्यालय, नटराज नृत्य अकादमी, सृजनभूमि, लाशाद्रि हैं।

डांस अकादमी, रूपाकॉम डांस अकादमी ने विभिन्न गायन, संगीत और नृत्य का प्रदर्शन किया। पॉली पहाड़ी, अरुंधति सेन, शिवानी पाल, मधुश्री घोष, सुपर्णा बनर्जी, सुपर्णा कोले, शीला महापात्रा, सखी बनर्जी, पुष्पित पाल, रत्ना मन्ना, दीपिका दुआरी द्वारा प्रस्तुत "मां तुझे सलाम" ने सभी का ध्यान खींचा। कार्यक्रम में संस्था के विद्यार्थियों को पुरस्कार दिये गये।

प्रदीप दास और परेश दास यंतनुरु के साथ थे। शताब्दी गोस्वामी चक्रवर्ती और इप्शिता चटर्जी द्वारा कुशलता पूर्वक मंच संचालन किया गया। उपस्थित संस्था के प्राचार्य शुभोदीप बसु के शब्दों में, "यह कार्यक्रम शहर जिले के लगभग दो सौ कलाकारों के साथ आयोजित किया गया। आज समूह के लड़के और लड़कियों ने लगभग 25 अलग-अलग विषयों पर प्रदर्शन किया।

सस्वर पाठ के साथ विभिन्न प्रयोगात्मक कार्य करना गर्व की बात है। आज यहां नगर जिले के कई प्रमुख लोग आये हैं. हम आप सभी को धन्यवाद देते हैं।'' संस्था की ओर से दीपक बोस, दीपा बोस और मनीषा बोस ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तनाव

ध्रुव-2

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: दुरूपयोग, प्रदर्शन की होड़म-होड़ आदि-आदि कहने पर स्टेट्स का सवाल है यह कहा जाता है इसलिए इतना करना पड़ता है। उस पर इतना क्या बवाल है? वह यहीं से समस्या शुरू होती है। यह दिखावा हमारा सुख-चैन एक सीमा के बाद छीनने लगता है। हर आने वाला नया अवसर हौवा बनकर आता है। आदमी तनाव की गिरफ्त में आता जाता है क्योंकि वह हमेशा पहले से ज्यादा बढ-चढ़ कर करने की होड़ में जो रहता है। हर बार दूसरे से बेहतर साबित करने की दौड़ में तनाव बढ़ता ही है क्योंकि जो नहीं करना चाहता, वह करना पड़ता है। हर घड़ी जूझना पड़ता है। जीवन की इसी दौड़ में पारिवारिक, सामाजिक आदि-आदि असंतुलन बढ़ता है। वह असंतुष्टि का भाव कचोटने लगता है। आदमी स्वयं को तो जैसे भूलता जाता है। अपने भीतर झाँकने को तो एक पल भी नहीं मिल पाता है। ऐसी सम्पन्नता में क्या धरा है, जिससे आदमी तनाव में धकेल दिया जाए। मुझे ऐसा लगता है कि इस दिखावे के बीच सच्चा सुख पीछे छूटता जा रहा है। हम देखते है जब कोई हंसकर या क्रोध में कुछ कह देता है या किसी के द्वारा पता चलता है, अर्थात शारीरिक या मानसिक चोट लगती है उस समय हम क्रोध में प्रतिशोध लेने की सोचते हैं पर उस समय हमारा स्वयं पर नियंत्रण करना जरूरी है वरना जीवन में सिर्फ गतिरोध ही रह जाता है। हमारे लिए प्रतिशोध की भावना का शमण करके शांति का नजरिया अपनाना जरूरी है ताकि जीवन में शांति का निवास रहे। हम आध्यात्मिकता की ओर बढ़ कर कर्मों की निर्जरा कर सकें। प्रकृति में हर काम समयानुसार ही होते है ठीक इसी तरह हमारे निजी जीवन में कर्म भी समयानुसार ही फलते है ।हम देखते है हड़बड़ाहट से कुछ नहीं होता, जाड़े के बाद ही ग्रीष्म आता है। अतः हमारे द्वारा जीवन का आनन्द लेने के लिए| (क्रमशः आगे)

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

सोचा था कि नववर्ष में--------।

सोचा था कि नववर्ष में----------,
बदलेगी हवाएँ पर्यावरण की,
फिजाओं में रौनक होगी,
बहारों में खुशबू होगी,
रात को होगी नई रोशनी,
और कल को नई सुबह होगी।

सोचा था कि नववर्ष में----------,
महक उठेंगे मुरझाये फूल,
चमक उठेंगे बुझे हुए चिराग,
हर चेहरे पर होगी खुशी,
श्रृंगार किये धरती दुल्हन सी होगी,
नया जोश, नई उमंग, नई ताकत होगी।

सोचा था कि नववर्ष में----------,
नहीं होगा अभावों में किसी का जीवन,
सभी का होगा यहाँ सभी का सम्मान,
नहीं होगा सितम किसी पर,
और हर आदमी का होगा एक प्यारा घर,
कोई काया होगी बिना वस्त्र के।

सोचा था कि नववर्ष में----------,
ईमान और इंसाफ की बात होगी,
नहीं होगा किसी के साथ अन्याय,
सुरक्षित होगी हर महिलायें बदमाशों से,
नहीं होगी हत्या गर्भ में,
नहीं होगा कहीं अनाथालय, वृद्धाश्रम,
हाँ, साल बदला है, मंजर और खबरें नहीं।

सोचा था कि नववर्ष में----------।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

नासूर

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: योगिता को अच्छी ससुराल मिली। हरीश के रूप में मन-माफिक नौकरीपेशा पति मिला। शादी के साल भर बाद माँ बन गयी। सब कुछ बढ़िया ही बढ़िया!

परिवार बड़ा और संयुक्त था। सबके साथ सब कुछ अच्छा हो; जरुरी तो नहीं। हरीश का चचेरा भाई था नरेश। पढ़ा-लिखा तो था; पर बेरोजगार। उसे सरकारी नौकरी की चाहत थी। बेचारा हाथ-पाँव मारता; पर सब व्यर्थ। उसकी बेकारी पर अक्सर योगिता फब्तियाँ कसती थी- 'क्यों नरेश! आजकल तुम्हारा इधर -उधर बहुत आना-जाना होता है।'

क्या बात है भाई! नौकरी मिली? नौकरी मिलेगी, तब छोकरी मिलेगी। लगे रहो नरेश भाई।'

नरेश योगिता को कभी मजाकिया लहजे में जवाब देता, तो कभी चुप रह जाता; पर बातें अंतस को लगती थी।

हरीश को नरेश के प्रति योगिता का व्यवहार अच्छा नहीं लगता था। समझाया एक दिन उसने- 'योगिता! नरेश की बेकारी की तुम खिल्ली मत उड़ाया करो।'

'क्यों..? बस मजाक ही तो करती हूँ।' योगिता तपाक से बोली।

'नरेश को बहुत दुःख लगता है तुम्हारा मजाक करना। मैं अच्छी तरह जानता हूँ।' हरीश ने कहा।

तुम्हें कैसे पता? योगिता बोली।

'घायल की गति घायल जानता है। बेकारी शरीर के नासूर से अधिक पीड़ादायक होती है। 'एक लम्बी साँस खींचते हुए हरीश ने कहा।'

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2025-हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मों संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है

हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा में जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है

प्राचीन भारत में साहित्य कला व संस्कृति में हिंदी का अभिन्न योगदान है व भारतीय समाज की आत्मा है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर इंग्लिश मंदारिन के बाद,हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोलने वाली भाषा है। 10 जनवरी 2025 को जहां विश्व में हिंदी दिवस मनाया जा रहा है, वही 14 सितंबर को भारत में हिंदी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकिहिंदी को 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में राजभाषा बनाने का फैसला किया था।वैश्विक स्तरपर हिंदी को लेकर पहला आयोजन 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में किया गया था, इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। साल 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया था। साल 2006 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। हिंदी हमारी एक राजभाषा है और उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रमुख रूप से बोली जाती है। हिंदी भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश नेपाल, श्रीलंका में भी बोली जाती है, इसके अलावा दुनियाँ के कई देशों में यह भाषा लोकप्रिय है और मॉरीशस जैसे देशों में भी बोली जाती है। हिंदी को जन-जन की भाषा के रूप में भी जाना जाता है औए इस भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हर साल दो बार हिंदी दिवस मनाया जाता है। चूँकि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा व जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से, इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2025, हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मो संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा को गहराई से जानने की करें तो, (1) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। वह चाहते थे कि हिन्दी राष्ट्रभाषा बने। उन्होंने 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था। आजादी मिलने के बाद लंबे विचार-विमर्श के बादआखिरकार 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में हिन्दी को राज भाषा बनाने का फैसला लिया गया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विचार से बहुत से लोग खुश नहीं थे। कइयों का कहना था कि सबको हिंदी ही बोलनी है तो आजादी के क्या, मायने रह जाएंगे, ऐसे में मत बंटने से हिंदी नहीं बन पाई देश की राष्ट्रभाषा। (2) इंग्लिश और मंदारिन के बाद हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। (3) विश्व हिंदी दिवस और हिंदी दिवस में अंतर है, भारत में हिंदी दिवस 14 सितंबर को होता है। वहीं हर साल विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है। दोनों दिनों का मकसद हिन्दी को प्रोत्साहित करना है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तरपर इसे बढ़ावा देना है।14 सितंबर के दिन 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का फैसला किया था। इस दिन की याद में राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। जबकि विश्व हिंदी दिवस का मकसद विश्व में हिंदी को बढ़ावा देना है। 10 जनवरी, 2006 को भारत सरकार ने इसे विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में किया गया था। अभी तक पोर्ट लुईस, स्पेन, लंदन, न्यूयॉर्क, जोहानसबर्ग आदि सहित भारत में विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। (4) दुनिया की सबसे प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी (शब्दकोश) हर साल भारतीय शब्दों को जगह दे रही है। ऑक्सफोर्ड ने आत्मनिर्भरता, चड्डी, बापू, सूर्य नमस्कार, आधार, नारी शक्ति और अच्छा शब्द को भी अपने प्रतिष्ठित शब्दकोश में जगह दी है। 'अरे यार!', भेलपूरी, चूड़ीदार, ढाबा, बदमाश, चुप, फंडा, चाचा, चौधरी, चमचा, दादागीरी, जुगाड़, पायजामा, कीमा, पापड़, करी, चटनी, अवतार, चीता, गुरु, जिमखाना, मंत्र, महाराजा, मुग़ल, निर्वाण, पंडित, ठग, बरामदा जैसे शब्द भी इसमें शामिल हैं। (5) दक्षिण प्रशांत महासागर क्षेत्र में फिजी नाम का एक द्वीप देश है जहां हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। (6) भारत के अलावा मॉरीशस, फिलीपींस, नेपाल, फिजी, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत और पाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। (7) हिंदी में उच्चतर शोध के लिए भारत सरकार ने 1963 में केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना की। देश भर में इसके आठ केंद्र हैं। (8) अभी विश्व के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। अमेरिका में लगभग एक सौ पचास से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है। (9) भारत फिजी के अलावा मॉरीशस, फिलीपींस, अमेरिका, न्यूजीलैंड, यूगांडा, सिंगापुर, नेपाल, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और पाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। (10) हिंदी का नाम फारसी शब्द 'हिंद' से लिया गया है, जिसका अर्थ है सिंधु नदी की भूमि। फारसी बोलने वाले तुर्क जिन्होंने गंगा के मैदान और पंजाब पर आक्रमण किया, 11वीं शताब्दी की शुरुआत में सिंधु नदी के किनारे बोली जाने वाली भाषा को 'हिंदी' नाम दिया था। यह भाषा भारत की आधिकारिक भाषा है और संयुक्त अरब अमीरात में एक मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक भाषा है।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा को एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा वह जीवन शैली के लिए अभिन्न हिस्सा होने की करें तो, हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है। यह हमारी पहचान है, और हम सभी हिंदी बोलकर अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखते हैं। हिंदी भाषा का इतिहास बहुत पुराना है और यह हमारे साहित्य, कला, और फिल्म उद्योग का अभिन्न हिस्सा है। हिंदी फिल्मों के माध्यम से यह भाषा न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में लोकप्रिय हुई है। बॉलीवुड ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर एक पहचान दिलाई है।दुनिया भर में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में लगभग 44 प्रतिशत लोग हिंदी बोलते हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, नेपाल पाकिस्तान, बांगलादेश, श्रीलंका जैसे देशों में भी हिंदी बोली जाती है। आजकल हिंदी का प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, और विभिन्न देशों में हिंदी सीखने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हिंदी भाषा अब न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी लोगों के बीच संवाद का माध्यम बन गई है। हिंदी भाषा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सभी समुदायों, धर्मों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। भारत में विविधता के बावजूद हिंदी ने हमेशा एकता का प्रतीक माना है। यह भाषा हमारे राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करती है। हिंदी में संवाद करने से हम अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को आसानी से व्यक्त कर सकते हैं।विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी को एक वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित करना है। इस दिन हम यह संकल्प लेते हैं कि हम अपनी भाषा को बढ़ावा देंगे और इसे पूरे विश्व में फैलाने का कार्य करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंदी को न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी सम्मान मिले।

अतः अगर हम उपलब्ध पर्यावरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि, विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2025-हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मों संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा में जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है। प्राचीन भारत में साहित्य कला व संस्कृति में हिंदी का अभिन्न योगदान है व भारतीय समाज की आत्मा है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

अब तो ईवीएम की तारीफ इंडिया गठबंधन वाले भी करने लगे, कमाल है भाई कमाल

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: हमेशा कांग्रेस पार्टी चुनाव आयोग एवं केंद्र सरकार से ईवीएम मशीन हटाकर मत पत्र से चुनाव कराने की बात करती रहती है। इसमें कई बार इंडिया गठबंधन के कुछ दल जैसे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव एवं ममता बनर्जी भी कई बार कांग्रेस का समर्थन करते नजर आते हैं। परंतु लगता है कि अब ईवीएम हटाओ रटना इंडिया गठबंधन के सदस्य छोड़ने लगे हैं कारण उन्हें अब यह बात समझ में आने लगी है कि जब यहां स्वयं माननीय सुप्रीमकोर्ट तक ने यह कह दिया है कि ईवीएम में कहीं कोई गड़बड़ नहीं है अतः अब कई दल कांग्रेस के इस मुद्दे पर उससे कन्नी काटने लगे हैं इसका सबसे बड़ा उदाहरण आज इंडिया गठबंधन के एक दल नेशनल कांफ्रेंस के नवनियुक्त सीएम उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस की हंसी उड़ाते हुए कहा है कि कांग्रेस भी अजीब है भाई! जब कहीं भी किसी राज्य में कांग्रेस पार्टी जीत हासिल करती है तो फिर जीत का बड़ा हंगामा करती है जश्न मनाती हैं परंतु अगर वह कहीं पर पिछड जाती है या बुरी तरह से हार जाती है तो फिर वह ईवीएम को कौसते हुए मत पत्र से चुनाव कराने की बात दोहराने लगती है। मत पत्र से चुनाव कराने की बात बार-बार करना आज के समय कहीं से भी उचित नहीं है कारण आज के समय में मतपत्र से चुनाव कराने में काफी समय लगता है, कई दिनों का भी समय लगता है। अतः हम उसके इस मसले में उसके साथ नहीं है क्योंकि ईवीएम आज के समय में मतदान कराने की एक सर्वोत्तम प्रणाली कहीं जा सकती है। अतः हम यहां यह कह सकते हैं कि उमर अब्दुल्ला आज इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि अभी हाल ही में हुए कश्मीर घाटी विधानसभा चुनाव में इसी ईवीएम की वजह से उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस को एक बड़ी भारी सफलता भी मिली है, अतः आज उसकी आलोचना करना उनके लिए स्वयं अपनी ही जीत की हंसी उड़ाना कहा जाएगा। अतः इसलिए उन्होंने कांग्रेस पार्टी की हंसी उड़ाना ही उचित समझा। अतः यहां हम तो यही कहेंगे कि आज इंडिया गठबंधन के अखिलेश यादव हो या ममता बनर्जी आदि जैसे सभी नेताओं को आज यह बात समझ लेना चाहिए की हर बार लगातार इवीएम पर आरोप लगाना उचित नहीं है। आज इंडिया गठबंधन को अब अपनी कमजोरी और नाकामियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए जिसके कारण उन्हें हर बार लगातार पराजय हाथ लग रहीं है।

एमएम राजावतराज
शाजापुर

ग्राम्य लोक-संस्कृति की परम्परा में भुर्री का महत्व

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025:

किसी कवि ने क्या खूब कहा है -
"गाँव की माटी को सूँघो,
गंध को एक नाम दे दो।"
एक मुस्कुराती सुबह दे दो,
एक सुहानी शाम दे दो।।"

उक्त चरितार्थ पंक्तियों के सम्बंध में कुछ इस तरह की बातें कही जा सकती हैं कि तीन पहर का दिन और चार पहर की रात का सुहाना संगम छत्तीसगढ़ के ग्राम्य अंचलों में दिखता है। यहाँ के लोग पूरे बारहों महीने पसीनेतर कमाई से कभी नहीं घबराते। तप्त ऋतु की भीषण गर्मी हो, पावस की मूसलाधार बारिश हो, चाहे शीत की कड़कड़ाती ठंड हो, सब एक बराबर होते हैं इनके लिए। गर्मी और बारिश का सामना करते हैं और ठंड से वे तनिक नहीं डरते। हर स्थिति में अपने भीतर उष्णता बनाए रखते हैं; चाहे खानपान, पहनावा या फिर चाहे और कोई बाह्य स्रोत जैसे- चुल्हे की आग, गोरसी की खरखराती धीमी आँच या फिर पैरा या झिटका की दहकती आँच अर्थात भुर्री।

भुर्री तापना एक परम्परा

भुर्री, यहाँ के लोगों के द्वारा आग तापने की परंपरा है। अत्यधिक ठंड पड़ने पर ग्रामीण अँचल के लोग छोटी–छोटी लकड़ियाँ (चिल्फा) इकट्ठा कर गोरसी या चूल्हे में जलाकर धीमी–धीमी आँच से शरीर की सिकाई करते हैं और शरीर में गर्माहट पैदा करते हैं। यह परम्परा प्राचीन काल से चली आ रही है। गाँव में प्रायः बड़े-बुजुर्ग सूर्योदय से पहले ही जब चहुँओर शीत की बूँदें बरसने लगती हैं; सुबह उठ कर चूल्हे या गोरसी में छेना, चिल्फा या फिर कोयला डालकर आग सुलगाते हैं; जलाते हैं। आग सूर्य के रंग जैसा प्रतीत होती है, मानो सूर्य के बीच की चमकती हुई आभा चूल्हे में उतर कर मन को प्रफुल्लित करती हुई देह की सिकाई कर रही हो। आग के अंगारे मद्धम–मद्धम दगते हैं। धीमी–धीमी आँच पड़ने पर बड़ा सुकून मिलता है। ठंड के दिनों में बड़े बुजुर्गों के अलावा बच्चे, युवा व बुजुर्ग सभी साथ में बैठकर भुर्री का आनंद लेते हैं।

भुर्री देती नसीहतें

गाँव का रहन–सहन देखकर मन आनंदित हो उठता है। यहाँ बात भुर्री की है, तो मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि सिर्फ एक परिवार के सदस्य ही नहीं बल्कि पास-पड़ोस के लोग भुर्री का हिस्सा बनते हैं। इससे लोगों में प्रेम-भाव बना रहता है। आज भी लोग गाँव में एकत्रित होते हैं और अपने–अपने जीवन की बातें एक–दूसरे से साझा कर ठहाके लगाते हैं। भुर्री तापते लोगों में भ्रातृत्व दिखता है, एकता नजर आती है।

लोग खेत–खलिहान से आकर शाम के समय जल्दी से भोजन कर चौराहे या फिर किसी के घर–आँगन में बैठ भुर्री का आनंद लेते हैं। छोटे–छोटे बच्चे, बड़े बुजुर्गों की बातें कान लगाकर बहुत ध्यान से सुनते हैं और आनंद लेते हैं। लोगों के बीच घर-परिवार एवं खेत-खलिहान की बातें होती हैं। विचारों का आदान-प्रदान होता है। एक-दूसरे का शोर-संदेश मिलता है। भुर्री लोगों में परस्पर सामंजस्य स्थापित करती है।

उक्त बातें कहना ज़रा भी गलत नहीं होगा कि भुर्री लोगों को एक–दूसरे से जोड़ने की सीख देती है। गाँव में कोई भी व्यक्ति अकेले भुर्री का लुत्फ उठाते नज़र नहीं आएगा, कम से कम पाँच–छः लोग दिखेंगे ही। बड़े-बुजुर्गों का ख्याल रखते हुए कई बच्चे छोटी–छोटी लकड़ियाँ इकट्ठा करते हैं, ताकि शाम को आग जला कर पास बैठ सकें। भुर्री तापने के लिए बच्चे बहुत ही उतावले होते हैं। होंगे भी क्यों नहीं; आखिर उन्हें साथ बैठने और बातें सुनने का आनंद जो मिलता है।

हमारे छत्तीसगढ़ के देहात-अंचल में गीत, कविता, कहानी-कंथली व लोकोक्ति-मुहावरे इन भुर्री तापते लोगों से सुनने को मिलते हैं। बड़े बुजुर्ग बातों ही बातों में बहुत से मुहावरे वगैरह प्रयोग करते हैं; जिससे बच्चों को आसानी से सीखने को मिलता है। अच्छी–अच्छी सीख घर के बड़े लोगों के पास बैठने से ही मिलती है।

कहीं-कहीं लोगों के द्वारा तैयार की गई भुर्री से बेज़ुबानों को भी लाभ मिल जाता है। आग खपने के बाद जब लोग वहाँ से उठकर चले जाते हैं तब कुत्ते, बिल्ली या गाय आकर बैठ जाते हैं। इससे उन्हें भी ठंडी से राहत मिलती है।

हमारे छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में भुर्री के फायदे लोग बहुत अच्छे से जानते हैं। आज भी बहुतायत तो नहीं, लेकिन भुर्री का उपयोग किया ही जाता है। स्वेटर, शॉल की उन्हें ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती, शाम और सुबह जरूर भुर्री ताप कर ठंड भगाते हैं।

भुर्री को सहेजने की जरूरत

आजकल गाँवों में भी लकड़ी, छेना या कोयला सहज सुलभ उपलब्ध नहीं हो पाता। कारण है पेड़–पौधों की कटाई, पशुपालन का कम होना, खेतों में मकान बनना इत्यादि। इसका असर ज्यादातर ग्रामीण परिवेश में देखने को मिलता है। लोग अब अपनी सुख-सुविधा के चलते शहरों की ओर बढ़ते जा रहे हैं। गाँव-देहात छूटता जा रहा है। कुछ सालों बाद ऐसा होगा कि गाँवों में सिर्फ बुज़ुर्ग ही दिखाई देंगे; युवावर्ग नहीं। जो लोग भुर्री के बारे में जानते हैं, वे शहरों में गोरसी बनाकर इसका उपयोग करते हैं, करेंगे क्यों नहीं; आखिर अपने गाँव की मिट्टी में पले–बढ़े हैं।

आजकल भुर्री तापने की परम्परा ही सिमट कर रह गई है। स्वेटर, शॉल व कम्बल ने इनकी जगह ले ली है पर मेरा मानना है कि क्यों न हम शहरों में भी रह कर भुर्री का उपयोग करें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी इसे जाने; समझे और इससे लाभान्वित हो। इससे हम अपनी मिट्टी से जुड़े रहेंगे। मुझे एक कवि की कुछ पंक्तियाँ याद आ रही हैं-

"सौंधी महक मिट्टी की,
वो पगडंडी वाले गाँव।
ताल-तलैया स्वच्छ पानी,
वो वट-पीपल की छाँव।।
तुलसी-चौरा आँगन का,
वो गौरैये का चींव-चाँव।
खोर-गली बिजली खम्भा
वो घर-द्वार ठाँव-ठाँव।।"

प्रिया देवांगन "प्रियू"
गरियाबंद, छत्तीसगढ़

नए साल पर काव्यगोष्ठी का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: मुजफ्फरपुर बिहार की साहित्यिक संस्था "एम एस केशरी पब्लिकेशन" जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं। पब्लिकेशन द्वारा एकल पुस्तकें और साझा संकलन पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं और हर माह दो दिवसीय काव्यगोष्ठी, जुगलबंदी, साक्षात्कार और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित होते हैं और कार्यक्रम कों सफल बनाते हैं। नए साल के शुभ अवसर पर जनवरी में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वीना अडवाणी व प्रीति केसरवानी जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान से ऑक्टोपाइडर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक इंजी हिमांशु जी, मंच संचालन मुस्कान केशरी जी और सरस्वती वंदना आनन्द कुमार मित्तल जी व बलराम यादव देवरा जी के द्वारा किया गया। देशभर के आमंत्रित स्वर डा पंकज कुमार बर्मन, रमेश साहू, चंद्रमोहन नीचे, आनन्द कुमार मित्तल, रियाज खान गौहर, डा उर्मिला कुमारी साईप्रीत, डा शारदा प्रसाद दुबे, भारत भूषण वर्मा असंध, विशाल जैन पवा, गौरव, सागर, संदीप जैन जी मंच पर सम्मिलित हुए। इस बार की दो दिवसीय काव्यगोष्ठी सैनिकों, ठंड व न ए साल पर रही, सभी साहित्यकार ने एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत की। एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी सभी साहित्यकार का तहे दिल से धन्यवाद करती हैं।।

बातों को नचाने वाला

कोलफील्ड मिरर 10 जनवरी 2025: कुछ दिनों से बड़े भैया के साथ एक बिंदास नौजवान कंधे पर बैग टांगे दिखाई पड़ रहा था। वह बड़ी मस्ती में अपना बैग झुलाते हुए चलता रहता। लोगों को आश्चर्य होता कि अपने आसपास बैसाखियों और अंग रक्षकों के अलावा किसी को भी फटकने न देने वाले बड़े भैया के पास यह कौन फटकता फिर रहा है? लेकिन कोई कुछ न कहता।

बड़े भैया का विशाखापट्टनम आगमन हुआ और मुझे भाषण देते बड़े भैया के पीछे खड़ा वह बिंदास जवान दिखाई पड़ रहा था। पास में साथ बैठे टीवी देखते छोटू से मैंने पूछा - "यह बंदा हमेशा बड़े भैया के साथ दिखाई पड़ता है आजकल। क्या उसे गोद लिया गया है? या कोई खुफिया आदमी है? बॉडीगार्ड तो हो नहीं सकता क्योंकि वह रंग बिरंगे कपड़े पहने बिंदास घूम रहा है।"

छोटू बोला "आप तो बड़े अंदर की बात पूछ रहे हो! यह तो एक बड़ा सीक्रेट है, रहस्य है।"

"रहस्य है तो इस तरह भरी पब्लिक में घूमने की जरूरत क्या है? अगर गोद लिया गया है तो बताए सभी को आज। उनके बाद उनका उत्तराधिकारी बनें। फिर खुफिया है तो किसी कोने में बैठे और तमाशा देखे। यह दोनों नहीं है तो वह कौन है जिसकी सभी के द्वारा बड़ी आवभगत हो रही है? वीवीआईपी सत्कार दिया जा रहा है।"

"आपकी जिज्ञासा अभी शांत करता हूं। भैया! आपने टेलेप्रोंप्टर के बारे में तो सुना ही होगा।"

"हां, सुना। पूरा भाषण उस पर होता है और उसे देखकर उसकी प्रोंप्टिंग से वक्ता भाषण देता है पूरी सुविधा के साथ।"

"बिलकुल सही। आजकल टेलीप्राम्पटर पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता। पिछली बार अच्छे समय में जब भाषण अपने रस भरे चरम तक पहुंच रहा था कि टेलेप्रोंप्टर ने काम करना बंद कर दिया।"

"मुझे याद है बड़ी भद हुई थी भाषण के दौरान। मैं जानता हूं। लेकिन टेलेप्रोंप्टर से इस बंदे का संबंध क्या है?"

"बंदा बहुत बड़ा इंजीनियर है। टेलेप्रोंप्टर पर उसने शोध किया है और बड़े भैया का टेलेप्रोंप्टर का ढंग से और पल पल कंट्रोल करना इसे अच्छी तरह आता है। इसकी नियुक्ति के बाद कभी भी कोई समस्या भाषण के दौरान टेलेप्रोंप्टर की वजह से नहीं आई, इसीलिए उसे साथ लेके घूम रहे हैं ताकि कहीं कोई ऐसी स्थिति आए तो तुरत निबटा जा सके।"

"ठीक है। वह टेकनीशियन है, साइड में रहे न!"

"आपको मुकेश याद है न?"

"कौन मुकेश? वही जिसके बारे में फिल्म की शुरुआत में बताया जाता है कि गुटखा तंबाखू की वजह से उसे कैंसर हो गया। वही न?"

"भैया! मैं महान फिल्मी गायक मुकेश की बात कर रहा हूँ, जिन्हें राजपूर अपनी आवाज़ कहते थे।"

"अच्छा मुकेश जी की बात थी। खैर! यह अचानक विषय परिवर्तन क्यों?"

"यह मंच पर बड़े भैया के पीछे बैठा बंदा भी अपरोक्ष रूप से उनकी आवाज है, उनकी सोच है, उनका भाषण है।"

"बड़े इतमीनान से बैठा वह राज्य के उप मुख्यमंत्री और फिल्म स्टार से बतिया रहा है हंसते, हँसते। बड़ा बिंदास और आत्मविश्वास भरा लग रहा है।"

"बिलकुल! पूरा देश बड़े भैया चलाते हैं और यह बंदा बड़े भैया को नचाता है अपनी प्रौद्यिगिकता के आधार पर। हैं न?"

"लोग अपनी लुगाई की वजह से नाचते हैं यहाँ तो मामला ही अलग है,"

टीवी के सीधे प्रसारण में बड़े भैया विपक्ष को गरियाना शुरू कर दिये हैं।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)